राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 240 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 28 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

विमान में बम की अफवाह से दिल्ली एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप, क्रू मेंबर को मिला धमकी भरा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर बम की धमकी से अफरातफरी मच गई। हालांकि, जांच के बाद अधिकारियों ने बताया कि यह झूठी खबर थी।

बताया गया कि स्टाफ के एक कर्मचारी को सुबह करीब 4:42 बजे दिल्ली के टर्मिनल-3 पर एक विमान में बम की धमकी वाला एक कागज मिला। इसके बाद आनन-फानन में तलाशी ली गई, जिसके बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा ने इसे झूठी खबर बताया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, गुरुवार सुबह 4:42 बजे एक कॉल प्राप्त हुई थी, और उसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया। अभी इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

गैंगस्टर भगवानपुरिया की मां और बॉडीगार्ड की गोलियां मारकर हत्या, बंबीहा गैंग से जुड़े गुर्गों ने ली जिम्मेदारी

गुरदासपुर। पंजाब के अपराध जगत में एक बार फिर खूनी गैंगवार का खौफनाक चेहरा सामने आया है। गुरदासपुर जिले के बटाला में कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां हरजीत कौर (52) और उसके बॉडीगार्ड करणवीर सिंह (29) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह सनसनीखेज वारदात गुरुवार देर रात को हुई, जब दोनों कार में कहीं जा रहे थे।

बाइक सवार हमलावरों ने अचानक उनकी कार पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। करणवीर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हरजीत कौर को छह गोलियां लगीं। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे पुलिस ने जांच में शामिल कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में हमले का टारगेट करणवीर सिंह था, जो कथित रूप से गैंगस्टर जग्गू के अवैध कार्यों को संभालता था। वह न केवल जग्गू के हथियारों और पैसों की देखरेख करता था, बल्कि गिरोह के कई अहम कार्यों में शामिल भी था। बंबीहा गैंग से जुड़े हरियाणा के 2 कुख्यात गैंगस्टरों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इसकी जिम्मेदारी ली है। पुलिस इस घटना को आपसी गैंगवार से जोड़कर देख रही है, क्योंकि जग्गू पंजाब में लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय रहा है। कई विरोधी गैंग से उसका टकराव रहा है। हरियाणा के 2 कुख्यात गैंगस्टरों प्रभू दासुवाल और कौशल चौधरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में हुए शामिल

छेरापहरा की रस्म अदायगी कर मांगा प्रदेशवासियों के लिए आशीर्वाद

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज गायत्री नगर रायपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आयोजित महाप्रभु श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा महोत्सव में शामिल हुए। राज्यपाल श्री डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर 'छेरा-पहरा' की रस्म निभाई। राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी ने श्री जगन्नाथ जी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आयोजित रथ यात्रा में शामिल हुए। रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में विशेष विधि-विधान के साथ महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व भगवान की प्रतिमाओं को मंदिर से रथ तक लाया गया और मार्ग को सोने की झाड़ू से स्वच्छ किया गया। इस परंपरा को छेरापहरा कहा जाता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सभी प्रदेशवासियों को रथ यात्रा की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व ओडिशा के लिए जितना बड़ा उत्सव है, उतना ही बड़ा उत्सव छत्तीसगढ़ के लिए भी है। श्री साय ने कहा कि भगवान जगन्नाथ किसानों के रक्षक हैं। उन्हीं की कृपा से वर्षा होती है, धान की बालियों में दूध भरता है और किसानों के घरों में समृद्धि आती है। मैं भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ में भरपूर फसल हो। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा से मेरी विनती है कि वे हम सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और हमें शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की ओर अग्रसर करें।

राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में पुरी की रथ यात्रा की तर्ज पर यह पुरानी परंपरा निभाई जाती है।

ओडिशा की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में होती है रथ यात्रा

रथ यात्रा के लिए भारत में ओडिशा राज्य प्रसिद्ध है। ओडिशा का पड़ोसी राज्य होने के कारण छत्तीसगढ़ में भी इस उत्सव का व्यापक प्रभाव है। आज निकाली गई रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा की विशेष विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर के पुजारी के अनुसार उत्कल संस्कृति और दक्षिण कोसल की संस्कृति के बीच यह एक अटूट साझेदारी का प्रतीक है। ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ का मूल स्थान छत्तीसगढ़ का शिवरीनारायण तीर्थ है, जहां से वे जगन्नाथ पुरी में स्थापित हुए। शिवरीनारायण में ही त्रेता युग में प्रभु श्रीराम ने माता शबरी के प्रेमपूर्वक अर्पित मीठे बेर ग्रहण किए थे। यहां वर्तमान में नर-नारायण का भव्य मंदिर स्थापित है।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री धर्मलाल कौशिक सहित अन्य गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

हिंदी' ने कर दिया एकजुट! उद्धव-राज ठाकरे एकसाथ करेंगे बड़ा आंदोलन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य बनाए जाने के मुद्दे ने उद्धव और राज ठाकरे को एक बार फिर साथ आने का मौका दे दिया है। इस मुद्दे को लेकर उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आंदोलन करने वाले हैं। इसकी जानकारी खुद शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दी है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फोटो शेयर किया। इसमें उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, महाराष्ट्र के स्कूलों में अनिवार्य हिंदी के खिलाफ एकजुट प्रदर्शन होगा। ठाकरे ही ब्रांड हैं।

इसके अलावा, राउत ने एक अन्य पोस्ट भी शेयर की और इस तस्वीर में उद्धव और राज ठाकरे एक साथ खड़े हुए दिख रहे हैं, जबकि उनके पीछे बाला साहेब ठाकरे की तस्वीर दिख रही है। उन्होंने इस फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, महाराष्ट्र की जय हो।

हिंदी भाषा पर महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया गया है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

राज ठाकरे ने मुंबई में 6 जुलाई को मार्च का आह्वान किया था और उद्धव ठाकरे ने 7 जुलाई को मुंबई के आजाद मैदान में आंदोलन की घोषणा की थी, लेकिन अब संजय राउत ने बताया है कि वे दोनों एक साथ आंदोलन करेंगे। इससे पहले, शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र सरकार पर हिंदी भाषा को जबरदस्ती थोपने का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने एक बयान में कहा था, वर्तमान सरकार राज्य पर हिंदी लादने की कोशिश कर रही है। उनका किसी भाषा या हिंदी भाषी समुदाय से कोई विरोध नहीं है, बल्कि वह जबरन किसी भाषा को थोपने के खिलाफ हैं।

उन्होंने आरोप लगाया था, बीजेपी की बांटने और काटने की नीति स्पष्ट है। वह मराठी और अन्य भाषियों के बीच जो एकता है, उसे खत्म करने की कोशिश कर रही है।

डॉ. सुरेंद्र दुबे का अंतिम संस्कार: श्रद्धांजलि देने वालों की मारवाड़ी शमशान घाट में उमड़ी भीड़, कई बड़े नेता और कवि भी पहुंचे

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कवि और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. सुरेंद्र दुबे का अंतिम संस्कार मरवाड़ी शमशान घाट में किया गया। कई दिग्गज नेता और कलाकार उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और मंत्रिमंडल के सदस्य भी वहां पहुंचे। मशहूर कवि डॉ. कुमार विश्वास, सूफी भंजन गायक पद्मश्री मदन चौहान, कवि सुदीप भोला, गायक-अभिनेता सुनिल तिवारी और पूर्व सांसद अभिषेक सिंह भी वहां पर मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि, पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे की तबीयत अचानक खराब हो गई। उन्हें रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया। वहां पर इलाज के दौरान उन्हें हार्ट अटैक आया और उनकी मौत हो गई। डॉ. सुरेंद्र दुबे ने हास्य और व्यंग्य विधाओं को न सिर्फ मनोरंजन का माध्यम बनाया बल्कि सामाजिक चिंतन का भी जरिया बनाया। मंच पर उनकी प्रस्तुति, शब्द चयन और आत्मविश्वास दर्शकों का मन मोह लेता था।

पेशे से आयुर्वेदिक चिकित्सक थे डॉ. सुरेंद्र दुबे

बता दें कि, डॉ. सुरेंद्र दुबे का जन्म 8 अगस्त 1953 को बेमेतरा, छत्तीसगढ़ में हुआ था। वे पेशे से आयुर्वेदिक चिकित्सक थे। उन्होंने हास्य कवि के रूप में प्रसिद्धि हासिल की। हिन्दी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी भाषा में उनकी अच्छी पकड़ थी। उन्होंने पांच किताबें लिखी हैं और कई बड़े मंचों पर भी नजर आए। उन्हें भारत सरकार द्वारा साल 2010 में देश के चौथे उच्चतम भारतीय नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। इससे पहले पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे को साल 2008 में काका हाथरसी से हास्य रत्न पुरस्कार मिला था। साल 2012 में पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान, अट्टास सम्मान और संयुक्त राज्य अमेरिका में लीडिंग पोएट ऑफइंडिया सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

विदेशों में भी किए गए सम्मानित

पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे ने छत्तीसगढ़ की माटी से लेकर देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी कविताओं से लोगों का दिल जीता है। उन्हें अमेरिका के वाशिंगटन में अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी एसोसिएशन द्वारा आयोजित समारोह में उन्हें हास्य शिरोमणि सम्मान 2019 से सम्मानित किया गया। नार्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन की तरफ से शिकागो में उन्हें छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया था। उनकी रचनाओं पर देश के 3 विश्वविद्यालयों ने पीएचडी की उपाधि भी प्रदान की है।

हिमाचल प्रदेश के खनियारा में तेज बहाव की चपेट में आने से कई मजदूर बहे, दो की मौत

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ ने तबाही मचाई हुई है। कुल्लू में बाढ़ के बाद अब धर्मशाला में भी हालात खराब है। जिले के खनियारा मणुणी खड्ड का जलस्तर बुधवार को अचानक बढ़ गया जिससे आए तेज बहाव में एक क्रशर में काम कर रहे कई मजदूर बह गए। कम से कम दो लोगों के शव बरामद किए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। स्थानीय मजदूरों ने बताया कि घटना दोपहर दो से तीन बजे के बीच की है। उस समय मौके पर करीब 100 मजदूर काम कर रहे थे जिनमें लगभग 14-15 मजदूर बह गए। अचानक आई बाढ़ में अपने साथियों को खोने के बाद वहां काम करने वाले श्रमिकों में दहशत का माहौल है।

मौके पर मौजूद दयाकिशन ने बताया कि कंपनी ने नीचे जाने के लिए कहा था। हम अपना सामान बांधने जब तक जाते तब तक बाढ़ आ गई। मेरा बैग, दो तीन लोगों के पैसे, मेरा फोन सब कुछ बह गया। उन्होंने बताया कि लगभग 14-15 लोग पानी के बहाव में बह गए। एक अन्य मजदूर रवि कुमार ने बताया कि सुबह से हल्की बारिश हो रही थी। हम दोपहर में खाना खाकर सो रहे थे। अचानक आई बाढ़ में जानमाल नुकसान हुआ है। जम्मू का एक हमारा साथी बह गया। जानकारी के मुताबिक एक व्यक्ति की लाश तैरती हुई मनूनी खड्ड में बहती हुई नीचे पहुंच गई। एक अन्य व्यक्ति की लाश प्रोजेक्ट के दो नम्बर फेस पर पड़ी मिली।

5 साल से भारत में डेरा, पहचान बदली, आधार-ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया

दिल्ली में गिरफ्तार बांग्लादेशी को लेकर खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की धरपकड़ के लिए पुलिस का ऑपरेशन लगातार जारी है। इसी क्रम में दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। ये व्यक्ति पिछले 15 साल से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक की पहचान ओहिद के रूप में हुई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि वो गैरकानूनी रूप से भारत में प्रवेश कर दिल्ली में फर्जी पहचान के सहारे रह रहा था।

दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम को अवैध प्रवासियों की पहचान और इलाके में सतर्कता बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

टीम की गश्त और खुफिया जानकारी जुटाने के प्रयासों के चलते 24 जून को वसंत कुंज इलाके में एक बांग्लादेशी नागरिक की मौजूदगी की सूचना मिली। सूचना पर तेजी से कार्रवाई करते हुए टीम ने संदिग्ध व्यक्ति को ढूंढ निकाला, जिसने शुरुआत में खुद को मोहम्मद रोहित शेख बताया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस दिखाए, जिनमें उसे नदिया, पश्चिम बंगाल का निवासी दर्शाया गया था। हालांकि, गहन पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वो बांग्लादेशी नागरिक है और करीब 15 साल पहले एक अज्ञात व्यक्ति की मदद से भारत में घुसपैठ की थी।

पुलिस जांच में आरोपी के पास से उसके मूल बांग्लादेशी दस्तावेज, जैसे कि राष्ट्रीय पहचान पत्र और पासपोर्ट, बरामद किए गए, जो ओहिद नाम पर जारी थे।

सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद आरोपी को वसंत कुंज साउथ थाना में रखा गया है। दिल्ली पुलिस अब विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय की मदद से बांग्लादेशी नागरिक को डिपोर्ट करने की कार्रवाई कर रही है।

घरों में घुसा पानी; देशभर में सामान्य से 12 प्रतिशत ज्यादा बारिश

केदारनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड, यात्री फंसे:अहमदाबाद-सूरत में बाढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 एमएम हो चुकी है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं।

इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, देश के सभी राज्यों में आज बारिश का अनुमान है। पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

एमपी के छतरपुर में बिजली गिरने से एक की मौत, तीन घायल

एमपी में छतरपुर के शिवराजपुरा गांव में बारिश से बचने के लिए खेत की टपरिया में बैठे चार किसान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। इनमें से एक की मौत हो गई और तीन घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

राजस्थान में बूंदी का बरधा बांध लबालब

राजस्थान में बूंदी का बरधा बांध पूरी तरह भर गया है। बांध बूंदी-कोटा हाईवे के बीच में आता है। बड़ी संख्या में बूंदी और कोटा से पर्यटक बारिश के बावजूद यहां पहुंचे हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है, जिससे यात्रियों की आवाजाही रुक गई है।

भाषा विवाद : शरद पवार बोले- कक्षा एक से हिंदी अनिवार्य करना सही नहीं, 5वीं के बाद पढ़ाई जाए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा के मुद्दे पर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बाद शरद पवार ने भी सरकार के फैसले पर सवाल उठाए हैं। एनसीपी-शरद गुट के प्रमुख का कहना है कि पहली क्लास से हिंदी की अनिवार्यता उचित नहीं है। शरद पवार ने शुक्रवार को कोल्हापुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हिंदी भाषा विवाद को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, इसके दो पहलू हैं। पहली कक्षा से प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य करना सही नहीं है। पांचवीं कक्षा से हिंदी सीखना छात्र के हित में है। आज देश में करीब 55 फीसदी लोग हिंदी बोलते हैं। हिंदी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

पवार ने आगे कहा, महाराष्ट्र में लोग हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन अभी पहली क्लास से ही बच्चों पर नई भाषा थोपना ठीक नहीं है। वहां मातृभाषा महत्वपूर्ण है। उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में उठते विरोध की ओर इशारा करते हुए कहा कि दोनों ठाकरे (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) हिंदी की अनिवार्यता के खिलाफ हैं।

बता दें कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने हिंदी भाषा का विरोध करते हुए आंदोलन करने का ऐलान किया है। 6 जुलाई को राज ठाकरे की ओर से मुंबई में मार्च निकाला जाना है, जबकि उद्धव ठाकरे की ओर से 7 जुलाई को आंदोलन की घोषणा की गई है।

शरद पवार इन विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेंगे या नहीं, इस पर शुक्रवार को उन्होंने अपनी स्थिति जाहिर की। पवार ने कहा, मैंने दोनों ठाकरे के बयान पढ़े हैं। मैं मुंबई जाकर समझूंगा कि वो क्या कह रहे हैं। मैं मुंबई जाकर उनसे मिलूंगा। हो सकता है कि आप सिर्फ कहने मात्र से इसमें भाग न ले पाएं, लेकिन यदि मुद्दा आपकी रुचि का है और आप हिस्सा लेना चाहते हैं तो आपको ठीक से समझना चाहिए कि उनकी नीति क्या है।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय भूमि पर बेधड़क किया जा रहा अवैध कब्जा, पाटन तहसील के ग्राम कोपेडीह में शासकीय जमीन पर भूमाफियाओं का नजर, कार्रवाई नहीं हुई तो 21 हेक्टेयर जमीन पर हो जाएगी कब्जा

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। पाटन तहसील के ग्राम कोपेडीह में इन दिनों शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा धड़ल्ले से हो रहा है। यही नहीं शासकीय जमीन पर भूमाफियाओं का नजर है। धीरे धीरे कर जमीन पर कब्जा कर मकान बनाने का काम शुरू हो रहा है। इसके अलावा कई लोग ऐसे है शासकीय जमीन को कब्जा कर बेचने का भी काम कर रहे है। इस तरह से करीब 21 हेक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा हों सकता है। जानकारी के मुताबिक ग्राम कोपेडीह प. ह. 05, रा नि अमलेश्वर, खसरा नंबर 212/1 जो कि खुली शासकीय भूमि है जो भविष्य में विद्यालय, खेल मैदान या हास्पिटल अथवा अन्य उपयोग में प्रयोग में आ सकती है। जिसमे पुनीत सारंग, कृष्णा कौशले, उमेश सारंग, देशुबाई सारंग एवं अन्य अवैध कब्जा कर मकान बनाया जा रहा है एवं कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर भूमि बेची जा रही है विदित हो कि उपर्युक्त भूमि का रकबा 21.2500 हेक्टेयर है तथा ऐसे बड़े रकबे वाली भूमि शासन के पास अमूमन कम है जो विभिन्न प्रकार से शासन द्वारा जनकल्याण मे प्रयोग में लाई जा सकती है। और जो शेष है उन्हे यथाशीघ्र संरक्षित किए जाने की आवश्यकता है। इस विषय पर राजस्व विभाग को कार्रवाई किया जाना चाहिए।

भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा से गूंजा मुंगेली, नगर में उमड़ा आस्था और उल्लास का सैलाब

सद्भाव, भक्ति और सांस्कृतिक उत्सव का अनुपम संगम बना मुंगेली नगर

मुंगेली(समय दर्शन) श्री भगवान जगन्नाथ जी की परंपरागत भव्य रथयात्रा शुक्रवार को मुंगेली नगर में बड़े ही श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ निकाली गई। दाऊपारा स्थित महामाई मंदिर से विधिवत पूजन-अर्चन के पश्चात रथयात्रा का शुभारंभ हुआ, जो पड़ाव चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पूरे शहर में निकाली गई।रथयात्रा को लेकर नगर में उत्सव जैसा माहौल था। नगरवासी श्रद्धा से ओतप्रोत होकर बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल हुए। भजन-कीर्तन, जयघोष और मंगल ध्वनियों से नगर गूंज उठा। डीजे, बैंड-बाजों की मधुर धुनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।नगरवासियों ने यात्रा का जगह-जगह पर पुष्पवर्षा कर, स्वागत मंच सजाकर और प्रसाद वितरण कर स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग पर अनुशासन के साथ सहभागी बनते हुए आस्था और समर्पण का परिचय दिया।इस पावन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला भी यात्रा में सम्मिलित हुए। उन्होंने भगवान जगन्नाथ जी से नगर की खुशहाली, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना करते हुए नगरवासियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। रथयात्रा के सफल आयोजन में नगर के अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रशासन द्वारा सुरक्षा और यातायात सहित समस्त व्यवस्थाओं को लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए, जिससे यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो सकी। भगवान जगन्नाथ जी की यह रथयात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनी, बल्कि नगरवासियों के बीच एकता, समरसता और सांस्कृतिक गौरव का संदेश भी छोड़ गई। रथ की गूंज में गूंजी भक्ति की भावना, नगर में बिखरे प्रेम और सौहार्द के रंग

निधन न्यूज : गुजरा निवासी रामजी आडील का निधन, गृह ग्राम में किया अंतिम संस्कार

पाटन। ग्राम गुजरा निवासी श्री राम जी आडील 83 वर्ष का शुक्रवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज किया गया। वे लोकेश कुमार आडिल के पिता, अंश आडिल के दादा और प्रशांत वर्मा, जावेंद वर्मा, मुदित वर्मा के नाना थे।

बुक स्कैनिंग कार्य में लापरवाही पर संकुल समन्वयक मनबोध नंद तत्काल प्रभाव से निलंबित

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के संकुल केन्द्र भूकेल के संकुल समन्वयक मनबोध नंद को बुक स्कैनिंग कार्य मे लापरवाही के चलते संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग रायपुर के निर्देश पर शिक्षा विभाग के जिला व ब्लाक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने तत्काल प्रभाव से

निलंबित कर दिया गया है । पुष्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बुक स्कैनिंग कार्य की समीक्षा हेतु सहायक संचालक श्रीमती उषा किरण खलखो एवं श्रीमती सुरेखा थानथराट द्वारा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बसना एवं संकुल समन्वयक बसना के साथ संयुक्त रूप से संकुल केन्द्र भूकेल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संकुल समन्वयक मनबोध नंद मूल पद शिक्षक, शा. पू. मा. शाला पौंसरा, विकासखंड बसना महासमुंद द्वारा पुस्तक वितरण में चार दिवस की देरी एवं 08 विद्यालयों में कार्य प्रारंभ न होने की स्थिति पर संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया। साथ ही 25 जून को आयोजित गूगल मीट बैठक में भी वे अनुपस्थित रहे। पाठ्यपुस्तकों की डिलीवरी 21 जून को प्राप्त होने के बावजूद वितरण 25 जून को करने, स्कैनिंग कार्य में लापरवाही तथा विभागीय दिशा-निर्देशों की अवहेलना को गंभीर कदाचार एवं अनुशासनहीनता मानते हुए उक्त कृत्य को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-03 के प्रतिकूल पाया गया।

संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग रायपुर राकेश कुमार पाण्डेय ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड स्रोत समन्वयक के प्रतिवेदन के आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) के तहत मनबोध नंद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा तथा उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी मगरलोड, जिला धमतरी नियत किया गया है।

गौरतलब हो कि, बसना ,सरायपाली एवं पिथौरा का विभागीय जांच से अभी कई राज खुलने की संभावना जताई जा रही है,जिसमे स्थानीय अधिकारी कर्मचारियों के काले कारनामों की बुनियादी सच्चाई लोगों के सामने परत दर परत खुलेंगे ?

जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए कड़े निर्देश

निर्माण कार्यों में लापरवाही पर एसडीओ और सब इंजीनियरों को नोटिस, मनियारी बैराज की होगी जांच

मुंगेली(समय दर्शन) शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट के मनियारी सभाकक्ष में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभागीय कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, प्रशासनिक स्वीकृतियों, भू-अर्जन एवं मुआवजा प्रकरणों, लागत राशि, टेंडर प्रक्रियाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा की। बैठक में कलेक्टर ने कार्यों की धीमी गति को गंभीरता से लेते हुए नाराजगी जाहिर की और लापरवाही बरतने वाले सभी एसडीओ एवं सब इंजीनियरों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता एस. के. भदौरिया को दिए।

कलेक्टर ने मनियारी बैराज योजना की समीक्षा करते हुए कार्यों की जांच के लिए अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित की और एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देशित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। कलेक्टर ने पथरिया बैराज योजना, तोताकापा व सहसपुर व्यपवर्तन योजना, धरदेई एवं जुनवानी जलाशय योजना, संबलपुर व जेवरा एनीकट सहित सभी प्रगतिरत और निर्माणाधीन कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों को पूर्व स्वीकृत योजना अनुसार समयसीमा के भीतर एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की प्रगति पर चर्चा- बैठक में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत पाइपलाइन आधारित सिंचाई परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कार्य की लागत, सिंचाई क्षमता, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, डेडलाइन एवं अनुबंध संबंधी जानकारियां लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि लक्षित कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। बैठक में बताया गया कि लोरमी क्षेत्र में कुल 11,515 हेक्टेयर में सिंचाई का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें से 6,709 हेक्टेयर में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर ने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को जल संसाधन विभाग के समस्त कार्यों की नियमित निगरानी करने और कार्य प्रगति की जानकारी समय-समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित की इन योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही और अनियमितता को गंभीरता से लिया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर श्रीमती मेनका प्रधान, पथरिया एसडीएम अजय शतरंज, कार्यपालन अभियंता एस.के. भदौरिया, सभी एसडीओ एवं सब इंजीनियर उपस्थित रहे।

मुंगेली में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष कार्यालय का शुभारंभ

आयोग के अध्यक्ष गौतम चौरड़िया ने किया लोकार्पण, त्वरित न्याय की दिशा में ऐतिहासिक पहल

मुंगेली(समय दर्शन) जिला मुख्यालय स्थित मंडी परिसर में आज मुंगेली जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष कार्यालय का शुभारंभ किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश गौतम चौरड़िया ने रिबन काटकर भवन का विधिवत लोकार्पण किया और उपस्थित जनसमुदाय को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक, अधिवक्ता, मीडिया प्रतिनिधि और आम नागरिक मौजूद रहे।

उपभोक्ताओं को मिलेगा त्वरित और सुलभ न्याय - अध्यक्ष चौरड़िया

आयोग अध्यक्ष गौतम चौरड़िया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उपभोक्ता विवादों का शीघ्र निराकरण नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, स्थायी भवन की स्थापना से अब जिले के उपभोक्ताओं को न्याय के लिए दूर नहीं भटकना पड़ेगा। चौरड़िया ने यह भी कहा कि टीम वर्क और मजबूत मॉनिटरिंग सिस्टम से ही त्वरित न्याय की परिकल्पना साकार होती है। उन्होंने उपभोक्ता कानून की व्यापक जानकारी आम जनता तक पहुँचाने की आवश्यकता जताई और कहा कि डिजिटल युग में उपभोक्ताओं को तेजी से बदलते व्यापारिक परिवेश में अधिक सजग रहने की जरूरत है।

मुंगेली को मिली बहुप्रतीक्षित सुविधा - कलेक्टर

कलेक्टर ने कहा कि मुंगेली जिला बने 12 वर्ष हो गए, लेकिन अब जाकर जिले को उपभोक्ता आयोग का स्थायी कार्यालय प्राप्त हुआ है, जो यहां के नागरिकों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं की बढ़ती चुनौतियों जैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी, नकली उत्पाद और सेवा संबंधी विवादों का जिक्र करते हुए कहा कि अब उपभोक्ताओं को न्याय के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुंडू ने कहा कि मुंगेली में कार्यालय खुलने से अब उपभोक्ताओं को बिलासपुर या अन्य जिलों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने इसे आमजन के लिए न्यायिक सुविधा की दृष्टि से एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

शाला प्रवेश उत्सव एवं वृक्षारोपण का हुआ आयोजन

बेमेतरा (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला उघरा में शाला प्रवेश उत्सव एवं वृक्षारोपण का आयोजन हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। नव प्रवेशी बच्चों को मिष्ठान एवं गुलाल लगाकर प्रवेश कराया गया। अतिथि के रूप मे ग्राम पंचायत - डुंडा के सरपंच भारत यादव,संकुल प्राचार्य संजय शर्मा, संकुल समन्वयक चैतराम सेन, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राम सिंह वर्मा, दाऊ जकलू सिंह वर्मा, बिरझु वर्मा, आदि रहे। अतिथियों के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 50 पौधों को रोपण किया गया। इस अवसर मे प्रधान पाठक राकेश रेड्डी, शिक्षक लोमश पटेल, महेश वर्मा, धनेश्वरी करभाल एवं आंगनबाडी कार्यकर्त्ता रुखमणि वर्मा व टिकेश्वरी वर्मा मौजूद रहे।सभी बच्चे गणवेश, पेन, पुस्तक प्राप्त कर बहुत खुश नजर आये।

अमरदास बंजारे बने छुरिया ब्लॉक के जागरूक शिक्षक संघ के अध्यक्ष

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ की जिला इकाई राजनांदगांव द्वारा संगठनात्मक विस्तार करते हुए छुरिया ब्लॉक के निवासी अमरदास बंजारे को ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति जिला प्रभारी बीरेंद्र साहू की अनुशंसा और प्रदेश कार्यकारिणी की सहमति के आधार पर की गई।

नव नियुक्त अध्यक्ष अमरदास बंजारे ने अपनी नियुक्ति पर संगठन का आभार जताते हुए कहा कि ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि वे जल्द ही अपनी टीम के साथ विकासखंड शिक्षाधिकारी से भेंट कर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखेंगे।

बंजारे की नियुक्ति पर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों व शिक्षकों में हर्ष का माहौल है। उन्हें राजेंद्र लाड़ेकर, नरेंद्र तिवारी, गायत्री मंडलोई, प्रमोद कुंभकार, संतोष जैन, नारद सहारे, शंभू राम साहू सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों ने बधाई दी है और संगठन को मजबूत नेतृत्व मिलने की आशा जताई है।

धमधा विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन हिर्री में हुआ

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। धमधा विकासखंड,जिला दुर्ग में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय हिर्री में हुआ।मुख्य अतिथि साजा विधायक माननीय श्री ईश्वर साहू जी, अध्यक्षता ग्राम पंचायत हिर्री के सरपंच योगेन्द्र कुमार साहू ,विशेष अतिथि गण पवन कुमार शर्मा उपाध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग,श्री मती प्रीति देवांगन , उपाध्यक्ष जनपद पचायत धमधा, श्री प्रीतम यादव जनपद सदस्य धमधा,श्री मती देहूति साहू जनपद सदस्य धमधा,भुनेश्वरी हरिशंकर यादव सरपंच सेवती, भारती खरसाने सरपंच हसदा,टिकेश्वरी भरत पटेल सरपंच खर्रा,जनिता निषाद सरपंच मड़ियापार,कार्यक्रम आयोजक विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री कैलाश साहू , विकासखंड श्रोत व्यक्ति श्री महावीर वर्मा मौजूद रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की मूर्ति में पुष्प माला के साथ पूजा अर्चना समस्त जन प्रतिनिधियों के द्वारा किया गया,छात्रों द्वारा सुंदर सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया अतिथियों का सम्मान पुष्प माला,पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया गया साथ ही स्वागत गीत छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में स्वागत प्रतिवेदन विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री कैलाश साहू द्वारा प्रस्तुत किया गया,शिक्षा विभाग में छात्रों को लाभान्वित किए जाने वाले योजनाओं,ब्लॉक में प्राथमिक,मिडिल हाई , हायर सेकेण्डरी शालाओं की संख्यात्मक जानकारी, अध्ययन रत छात्रों की जानकारी,प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियो,विभिन्न प्रकार छात्रवृत्ति के लिए चयनित छात्रों,विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट छात्रों से अवगत कराया गया।मंचासन अतिथियों द्वारा उल्लास साक्षरता केंद्र का अवलोकन भी किया गया। दिव्यांग बच्चो को उपकरण एवम कीट जन प्रतिनिधियों के कर कमलों से प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में नव प्रवेशी बच्चो को तिलक लगाकर,मिष्ठान खिलाकर,नि:शुल्क गणवेश ,पाठ्य पुस्तक,सरस्वती सायकल वितरण कर स्वागत किया गया।छात्र छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम देश भक्ति ,लोक कला नृत्य का बेहतर प्रस्तुति दी गई और शिक्षा के महत्व को परिलक्षित किया गया। विकासखंड धमधा में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले छात्र छात्राओं जिनमे केंद्रीकृत परीक्षा कक्षा पांचवी और आठवीं में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त विद्यार्थियो,हाई स्कूल एवम हायर सेकेण्डरी स्कूल बोर्ड परीक्षा में सर्व श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, एनएमएमसीई में चयनित छात्रों,नवोदय विद्यालय के लिए चयनित छात्रों,खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले छात्रों, जेईई में सफल छात्रा को माननीय मुख्य अतिथि के करकमलों से प्रोत्साहित कर पुरुष्कृत किया गया,साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले उत्कृष्ट शिक्षक,प्रतियोगिता परीक्षाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षको, विशेष सहयोग देने वाले संकुल समन्वयको ,उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम वाले शालाओं,अच्छे कार्य करने वाले सफाई कर्मियों,हरिहर विद्यालयों,तत्पर और विशेष योगदान देने वाले एसएमसी,सबसे ज्यादा न्योता भोज आयोजक एवम् आयोजन शालाओं,उत्कृष्ट रसोइया, एफएलएन में उत्कृष्ट कार्य वाले विद्यालयों को मुख्य अतिथि एवम् अतिथियो के कर कमलों से ससम्मान पुरुषकृत किया गया। अतिथियों के द्वारा शाला परिसर में एक पेड़ मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण किया गया।मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्री ईश्वर साहू जी ने अपने उदभोषण में बच्चो और पालकों को प्रेरित करते हुए कहा शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन और परिणाम ,स्वयं के आत्म विश्वास,भरोसा से प्राप्त किया जा सकता है, नियमित शाला में अध्ययन करना, बड़ो की आदर करना,अपने माता पिता का आदर सम्मान,अपने गुरुजनों का आदर सम्मान करना शिक्षा का महत्वपूर्ण पहलू है,अपने पढ़ाई जीवन को याद किया और पालकों को स्कूल और अपने बच्चो के प्रति ध्यान देने कहा,शिक्षक बच्चो को किस तरह से संभालते है,कैसे पढ़ाते है,इतने सारे बच्चों पर कैसे ध्यान देते है उदाहरणों के माध्यम से बताया,सरकारी स्कूलों में शासन से मिलने वाली नि:शुल्क सुविधाओ से अवगत कराया। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के अंतिम क्षण में बीआरसीसी श्री महावीर वर्मा जी ने सफल कार्यक्रम हेतु आभार व्यक्त किया।इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्रा जी, डीएमसी श्री सुरेन्द्र पांडे जी,कार्यक्रम के आयोजक विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री कैलाश साहू जी, विकासखंड श्रोत व्यक्ति श्री महावीर वर्मा , सम्पूर्ण व्यस्थापक संकुल समन्वयक दिनेश कुमार साहू ,समस्त संकुल समन्वयक ,प्रधान पाठको,शिक्षको,पालकों ,छात्रों ,जन प्रतिनिधियों,बहतायत संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति के साथ बेहतर कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

आपातकाल स्मृति दिवस पर सम्मानित हुए लोकतंत्र सेनानी

लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत : विष्णु देव साय

रायपुर। लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। आज हम लोकतंत्र की फिज़ा में जिस आज़ादी का अनुभव कर रहे हैं, उसकी कीमत आपातकाल के दौरान कुछ लोगों ने यातना, अपमान और जेलों में समय काटकर चुकाई थी। इन लोकतंत्र सेनानियों की पीड़ा और संघर्ष को हर पीढ़ी तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री साय ने गुरुवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित आपातकाल स्मृति दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने लोकतंत्र विरोधी ताकतों से सावधान रहने और लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को बेड़ियों में जकड़कर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। यह सब स्वतंत्र भारत में हुआ, लेकिन उस अमानवीयता ने अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की याद दिला दी। आपातकाल के दौरान असहनीय कष्ट सहने वाले लोकतंत्र सेनानी आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उन्होंने सच्चिदानंद उपासने द्वारा लिखित पुस्तक 'वो 21 महीने: आपातकाल' का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जून 1975 को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला दिन माना जाता है। आपातकाल में हजारों लोगों को बिना अपराध के जेलों में ठूंस दिया गया, मौलिक अधिकार छीन लिए गए और लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उन्होंने इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। उनके स्वर्गीय बड़े पिताजी नरहरि प्रसाद साय भी उस दौर में 19 महीने तक जेल में बंद रहे थे। उनके द्वारा सुनाए गए किस्से आज भी रोंगटे खड़े कर देते हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार लोकतंत्र सेनानियों को बेड़ियों में जकड़कर शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी गईं। यह सब स्वतंत्र भारत में हुआ, लेकिन उस अमानवीयता ने अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की पुन: याद दिला दी। उन्होंने कहा कि आपातकाल में कलाकारों की स्वतंत्रता तक छीनी गई। पार्श्व गायक किशोर कुमार द्वारा सरकारी प्रचार गीत गाने से इनकार करने पर उनके गीतों पर आकाशवाणी में प्रतिबंध लगा दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान राशि देने की शुरुआत की थी, जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया। हमारी सरकार ने न केवल यह सम्मान राशि पुन: प्रारंभ की, बल्कि पूर्व सरकार द्वारा रोकी गई पिछले पाँच वर्षों की बकाया राशि का भी भुगतान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब लोकतंत्र सेनानियों की अंत्येष्टि राजकीय सम्मान के साथ की जाएगी और उनके परिजनों को ?25,000 की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, विधानसभा में एक अधिनियम पारित कर यह सुनिश्चित किया गया है कि भविष्य में कोई भी सरकार इस सम्मान योजना को समाप्त न कर सके। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में आपातकाल की भयावहता और लोकतंत्र सेनानियों के बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आपातकाल के 21 महीनों की प्रताड़ना और लोकतंत्र पर हुए आघात को देश के हर नागरिक तक पहुँचाना आज की पीढ़ी की ज़िम्मेदारी है। डॉ. सिंह ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि आज मीसाबंदी आंदोलन के सहभागी और उनके परिजन हमारे बीच हैं। उन्होंने आपातकाल को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि उस समय पूरे देश को एक विशाल जेल में बदल दिया गया था। लोकतंत्र के स्तंभ—न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और मीडिया—को निष्क्रिय कर दिया गया था।

'झरिया' की चमक हर जगह: मंत्रालय से जंगल सफारी तक

रायपुर। रायपुर जिले के अभनपुर ब्लॉक के पचेड़ा गांव में महिलाओं द्वारा संचालित 'झरिया' अल्कलाइन वॉटर बॉटलिंग प्लांट अब केवल एक ग्रामीण पहल नहीं रहा। यह स्वास्थ्य, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुका है — जिसका पानी अब राज्य मंत्रालय, जंगल सफारी, IIIT, पर्यावास भवन और अन्य सरकारी संस्थानों तक पहुंच रहा है।

'लखपति दीदी' योजना का सशक्त उदाहरण- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लखपति दीदी' विजन और छत्तीसगढ़ सरकार की 'बिहान' योजना के तहत शुरू हुआ यह प्लांट शारदा स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसकी स्थापना नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (NRDA) और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से हुई थी।

हाईटेक प्लांट, हर दिन 5000 बोतलें- इस प्लांट की दैनिक उत्पादन क्षमता 5,000 बोतलें है। दो अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में पानी की गुणवत्ता और श्च॥ स्तर (8 से 8.5) की सख्ती से निगरानी की जाती है। कांच की बोतलों का इस्तेमाल कर यह इकाई प्लास्टिक मुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में भी काम कर रही है।

कांच की बोतल, स्वास्थ्य भी, पर्यावरण भी- 'झरिया' ब्रांड की 500ml की कांच की बोतल की कीमत ?58.20 है, जिसमें 50 बोतल शुल्क है जो वापसी पर लौटाया जाता है। यह मॉडल इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल दोनों है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह कहते हैं: 'झरिया' पानी न केवल स्वास्थ्यवर्धक है, बल्कि इसकी बोतल इको-फ्रेंडली होने के कारण पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है। यह बाजार की तुलना में सस्ता और बेहतर विकल्प है।

महिलाओं की जुबानी सफ्लता की कहानी- श्रीमती ऊषा बारले कहती हैं: अब हम गांव में ही रोज़गार पा रहे हैं। पहले मजदूरी के लिए बाहर जाना पड़ता था, अब घर के पास ही स्थायी काम मिल गया है।

श्रीमती नंदकुमारी बारले बताती हैं:- अब बच्चों की पढ़ाई हो रही है, घर की स्थिति सुधरी है। यह काम हमारे जीवन में स्थायित्व लेकर आया है।

कहां-कहां मिल रहा 'झरिया' पानी ?- मंत्रालय, ह्रञ्ज्ञ, जंगल सफारी, पर्यावास भवन, IIIT, जिला पंचायत, कलेक्टोरेट मीटिंग्स बिहान संगवारी हाट (जिला पंचायत परिसर)

डिप्टी सीएम शर्मा के निर्देश पर बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी

रायपुर। प्रदेश में आंतरिक सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर पुलिस विभाग द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर 1800-233-1905 जारी किया गया है, जो 24 घंटे और सप्ताह के सभी दिनों में सक्रिय रहेगा। इस हेल्पलाइन के माध्यम से राज्य का कोई भी नागरिक, अपने क्षेत्र में मौजूद संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों अथवा उनकी गतिविधियों के संबंध में सूचना सीधे पुलिस प्रशासन को दे सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि लोग बिना किसी भय के राष्ट्रहित में सहयोग कर सकें। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि देश की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार राज्य को घुसपैठियों और अवैध गतिविधियों से मुक्त रखने के लिए प्रतिबद्ध है। जब तक ऐसी ताकतों को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक हमारे नागरिकों की सुरक्षा और शांति खतरे में रहेगी। यह हेल्पलाइन आम जनता को एक सीधा, सुरक्षित और प्रभावी माध्यम प्रदान करती है जिससे वे देशहित में अपनी भागीदारी निभा सकें। राज्य में अवैध बांग्लादेशी नागरिको की सूचना पर पूरी ताकत के साथ जांच और पहचान कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए हैं कि वे इस हेल्पलाइन पर प्राप्त हर सूचना को गंभीरता से लें, आवश्यक सतर्कता बरतें और जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही इस अभियान को लेकर आम नागरिकों में जागरूकता फैलाने हेतु प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि घुसपैठ के मामलों की पुष्टि के लिए प्राप्त सूचनाओं की सत्यता की पूर्ण जांच की जाएगी, ताकि निर्दोष लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य के सभी नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें अपने आस-पास किसी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि अथवा पहचान पर संदेह हो तो वे तुरंत टोल फ्री नम्बर 1800-233-1905 पर संपर्क करें। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम छत्तीसगढ़ को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सशक्त बनाए रखें।

राज्यपाल ने गोद ग्राम सोनपुरी के विकास कार्यों का लिया जायजा

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका दो दिवसीय दौरे के पहले दिन गुरुवार को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक लेकर विकास कार्यों की जानकारी ली। विशेष रूप से उन्होंने अपने गोद लिए ग्राम सोनपुरी में संचालित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि, उद्यानिकी और जल जीवन मिशन जैसे बुनियादी सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ प्रत्येक ग्रामीण तक पहुँचना चाहिए, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

खेती और प्रोसेसिंग पर बल- राज्यपाल डेका ने ग्राम सोनपुरी में टमाटर की खेती की संभावनाओं को देखते हुए बाड़ी में टमाटर उत्पादन करने कहा। उन्होंने कहा कि टमाटर के अधिक उत्पादन को देखते हुए उसकी प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिले और फ्सल की बर्बादी न हो।

शत-प्रतिशत योजना लाभ का देने निर्देश- उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत कार्ड बनाए जाएं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए।

जल जीवन मिशन के तहत नल-जल पहुंचाएं- जल जीवन मिशन की प्रगति पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने सोमपुरी में प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल स्त्रोतों की सततता बनाए रखने के लिए वर्षा जल संग्रहण, सोखता गड्ढे और पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे उपायों को प्राथमिकता देने को कहा।

एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण का आह्वान- राज्यपाल ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत सभी शासकीय भवनों जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन और स्वास्थ्य केंद्रों में अधिकाधिक वृक्ष लगाने का आग्रह किया। उन्होंने इसे पर्यावरण और मातृत्व दोनों से जुड़ी एक संवेदनशील पहल बताया।

शिक्षा में ड्रॉपआउट रोकने निर्देश- स्कूल छोड़ चुके बच्चों की जानकारी लेते हुए राज्यपाल ने ऐसे बच्चों को दोबारा विद्यालय से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने को कहा।

धान खरीदी में रिकॉर्ड, अब तेजी से होगा निराकरण

मंत्रिमंडलीय उप समिति का फैसला : चावल जमा की समय-सीमा 5 जुलाई तक बढ़ी

रायपुर। राज्य सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 और 2024-25 में अतिशेष धान के त्वरित निपटारे को लेकर मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में कई अहम निर्णय लिए हैं। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में यह बैठक मंत्रालय स्थित महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित हुई। बैठक में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और राजस्व मंत्री टंकाराम वर्मा मौजूद रहे।

बैठक में बताया गया कि खरीफ 2024-25 में किसानों से 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी हुई है। यह अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है। राज्य सरकार ने 35 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान के निराकरण के लिए ई-नीलामी प्रक्रिया अपनाई है, जिसमें एम-जंक्शन प्लेटफॉर्म के जरिए धान की बिक्री की जा रही है।

अब तक 18.91 लाख मीट्रिक टन धान का सफ्ल निपटान हो चुका है। शेष स्टेक के लिए ॥-1 बोलीदाताओं और अन्य निविदाकारों को प्राइस मेचिंग का अवसर दिया गया है, ताकि पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हो सके।

राइस मिलरों के लिए राहत- बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिन निविदाकारों ने समय पर सुरक्षा निधि या क्रय मूल्य जमा नहीं किया है, उन्हें अब 15 जुलाई 2025 तक की अंतिम मोहलत दी गई है। साथ ही, खरीफ 2023-24 में चावल जमा करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 5 जुलाई 2025 कर दिया गया है, जिससे राइस मिलरों को बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन ने इसके लिए खाद्य मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

12.57 लाख मीट्रिक टन धान अब भी शेष- प्रदेश के 78 संग्रहण केन्द्रों में अभी भी 12.57 लाख मीट्रिक टन धान शेष है। इसके शीघ्र उठाव के लिए जिला विपणन अधिकारियों और संग्रहण केंद्र प्रभारियों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। वाहनों की आवाजाही आसान बनाने और हमालों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु समिति गठित- धान खरीदी में तकनीकी दिक्कतों के समाधान के लिए महाप्रबंधक (विपणन) की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति का गठन भी किया गया है। यह समिति मिलरों और क्रेताओं की तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान करेगी।

केंद्र से चावल जमा लक्ष्य बढ़ाने का अनुरोध- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय खाद्य मंत्री से भेंट कर वर्ष 2024-25 में खरीदे गए धान से केंद्रीय पूल में चावल जमा करने का लक्ष्य 70 लाख मीट्रिक टन से अधिक बढ़ाने का अनुरोध किया है। केंद्र सरकार ने इस पर सकारात्मक विचार का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त समाचार

लॉरिट्ज़ नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन ने भारत की प्रगति के गलियारों को सशक्त बनाने के लिए अब तक का सबसे बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो लॉन्च किया

नई दिल्ली: भारत के इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लॉरिट्ज़ नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन ने आज अपने इतिहास का सबसे बड़ा प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो लॉन्च किया। यह कदम भारत के प्रमुख औद्योगिक क्लस्टर्स और विकास गलियारों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान के तहत कंपनी देश के 30 औद्योगिक शहरों में जाकर स्थानीय नेतृत्व, हितधारकों और सहयोगियों से संवाद करेगी। इसका उद्देश्य भारत के विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के केंद्रों में तकनीकी अपनाने की गति को बढ़ाना है। कम वोल्टेज समाधानों, औद्योगिक ऑटोमेशन और नई ऊर्जा आवश्यकताओं पर गहरे फोकस के साथ, लॉरिट्ज़ नुडसेन एक तकनीक-आधारित बदलाव को आगे बढ़ा रहा है, जो भारत के प्रमुख और महत्वपूर्ण औद्योगिक नगरों तक पहुंचता है। यह ऐतिहासिक अभियान कंपनी की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो एक तकनीकी रूप से उन्नत, आर्थिक रूप से सशक्त और ऊर्जा-सक्षम भारत के निर्माण की दिशा में है — और यह सरकार के 'विकसित भारत 2047' विज़न के अनुरूप है। लॉरिट्ज़ नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन के सीओओ नरेश कुमार ने कहा: हमारा उद्देश्य स्मार्ट टेक्नोलॉजीज़ के ज़रिए ग्राहकों को ज़्यादा सुरक्षित, तेज़ और स्मार्ट तरीके से काम करने में सक्षम बनाना है। इस प्रोडक्ट शोकेस के माध्यम से हम यह भरोसा और मज़बूत कर रहे हैं कि नवाचार हर क्षेत्र की अलग-अलग ज़रूरतों के अनुसार सुलभ, अनुकूलनीय और प्रासंगिक होना चाहिए। फिर चाहे बात रायपुर की राइस मिल को ऑटोमेट करने की हो, कोयंबटूर की टेक्सटाइल मिल को ऊर्जा देने की हो, या पुणे के किसी प्लांट का आधुनिकीकरण करने की — हमारा पोर्टफोलियो असर डालने के लिए तैयार है।

फोनपे और HDFC बैंक ने को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के लॉन्च के लिए पार्टनरशिप की

नईदिल्ली: फोनपे ने आज ॥ष्ठस्नष्ट बैंक के साथ मिलकर 'फोनपे HDFC बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह को-ब्रांडेड कार्ड सेगमेंट में फोनपे का पहला कदम है। HDFC बैंक के साथ मिलकर RuPay क्रेडिट कार्ड्स की यह नई सीरीज भारतीय ग्राहकों की बदलती वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है, खासकर फोनपे प्लेटफ़ॉर्म पर PI से की जाने वाली खर्चों पर शानदार फ़ायदे देती है। HDFC बैंक और फोनपे की यह रणनीतिक पार्टनरशिप, दोनों की बैंकिंग और फिनटेक ताक़त का बेहतरीन उपयोग कर, क्रेडिट कार्ड्स को ज़्यादा आसान और यूज़र-फ्रेंडली बनाती है। Ultimo और 'NO' वेरिएंट में उपलब्ध ये कार्ड रिचार्ज, बिल पेमेंट, ट्रैवेल, ऑनलाइन शॉपिंग, किराने का सामान और कैब जैसे लोकप्रिय खर्चों के कैटेगरी पर रिवॉर्ड्स देते हैं। साथ ही, कार्ड PI के साथ भी आसानी से इंटीग्रेट हो जाते हैं, जिससे यूज़र्स अपने रोज़मर्रा के खर्चों का पेमेंट क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं और PI त्तक्रद्वारा सक्षम बड़े मर्चेंट, नेटवर्क पर कार्ड रिवॉर्ड्स का भी फ़ायदा उठा सकते हैं। इस लॉन्च पर फोनपे की चीफ़ बिज़नेस ऑफिसर, कंज्यूमर पेमेंट्स, सोनिका चंद्रा जी का कहना है, कि हम HDFC बैंक के साथ अपने पहले को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च को लेकर उत्साहित हैं। यह लॉन्च दिखाता है कि हम अपने इस बड़े यूज़र्स के समूह को नए-नए फाइनेंशियल सोल्यूशंस देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। यह कार्ड फोनपे ग्राहकों को उनके रोज़मर्रा के खर्चों पर फ़ायदे देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे उन्हें बिल पेमेंट, रिचार्ज और ट्रैवेल बुकिंग जैसी चुनिंदा कैटेगरी पर 10% रिवॉर्ड पॉइंट मिलेंगे। इसके अलावा, कस्टमर लाखों UPI मर्चेंट पर आसानी से इस कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। हमें विश्वास है कि HDFC बैंक के साथ हमारी रणनीतिक पार्टनरशिप, इस कार्ड द्वारा दिए जाने वाले फ़ायदों के साथ, लाखों भारतीयों के लिए क्रेडिट कार्ड अनुभव को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी।

तेलंगाना आईसीडीएस स्मार्टफोन टेंडर से पारदर्शिता की चिंताएं बढ़ीं, ओईएम ने दोबारा टेंडर जारी करने की मांग की

नईदिल्ली। एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के तहत तेलंगाना महिला एवं बाल कल्याण विभाग (डब्ल्यूडीसीडब्ल्यू) द्वारा जारी स्मार्टफोन खरीद टेंडर ने इसकी संरचना और खरीद मानदंडों के अनुपालन को लेकर इंडस्ट्री के स्टेकहोल्डर्स के बीच चिंता पैदा कर दी है। 12 जून को प्रकाशित टेंडर में 23 जून तक जमा करने की अंतिम तिथि है, जिसमें राज्य भर में आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों के लिए 38,117 सैमसंग ए06 (4+64) स्मार्टफोन की आपूर्ति की बात कही गई है। टेंडर में एक विशिष्ट ब्रांड और मॉडल को शामिल करने से इंडस्ट्री के प्रतिभागियों से सार्वजनिक खरीद दिशा-निर्देशों के पालन के बारे में सवाल उठे हैं, जो आम तौर पर खुली और प्रतिस्पर्धी बोली सुनिश्चित करने के लिए गैर-प्रतिबंधात्मक तकनीकी विनिर्देशों के उपयोग की सलाह देते हैं। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भारतीय मूल के ब्रांडों सहित गवरेनवेंट सप्लाई कांट्रैक्ट में अनुभव रखने वाले कुछ मोबाइल उपकरण निर्माताओं ने टेंडर में निर्धारित मानदंडों के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, कथित तौर पर प्रोडक्ट टेस्टिंग की अनुमति उन ब्रांडों के डिवाइसेज तक बढ़ा दी गई थी जो वर्तमान में त्रद्गरूपोर्टल पर लिस्टेड नहीं हैं। एक रूटीन वेरिफिकेशन से पता चलता है कि नोकिया वर्तमान में त्रद्गर्ऌलिस्टिंग पर उपलब्ध नहीं है। मोटोरोला, परीक्षण के दायरे में शामिल होने के बावजूद, अपने विदेशी स्वामित्व ढांचे के लिए स्टेकहोल्डर्स द्वारा जांच के दायरे में है, जो संभावित रूप से भारत की भूमि सीमा खरीद नीति के प्रावधानों को लागू कर सकता है। प्री-बिड मीटिंग की मौजूदगी या अनुपस्थिति सहित प्री-बिड गतिविधियों से संबंधित दस्तावेज रिपोर्टिंग के समय सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होते हैं। इसी तरह, वैकल्पिक दस्तावेज़ीकरण प्रथाएँ, जैसे कि परचेज अप्रूवल। सर्टिफिकेट (पैक) के बजाय मीटिंग के मिनिट्स ऑफ़मीटिंग का उपयोग, खुले रिकॉर्ड से स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती। अभी तक, डब्ल्यूडीसीडब्ल्यू विभाग ने उठाई गई चिंताओं के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

संपादकीय

बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता बाहरी जिम्मेदार नहीं

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का कहना है कि उनकी अंतरिम सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध चाहती थी मगर हमेशा कुछ न कुछ गलत हो जाता है। ब्रिटेन की चार दिवसीय यात्रा के दौरान लंदन में चैथम हाउस थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान यूनुस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों और देश के लोकतांत्रिक रोडमैप सहित विभिन्न मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, भारत हमारा पड़ोसी है, हम नहीं चाहते कि उनके साथ कोई बुनियादी समस्या हो। मगर भारतीय प्रेस में आने वाली खबरों को फर्जी ठहराते हुए कहा कि हर बार चीजें गलत हो जाती हैं और लोग कहते हैं कि इसका संबंध शीर्ष स्तर के नीति निर्माताओं से है। यही बात बांग्लादेश को बहुत बेचैन और क्रोधित करती है। उनका कहना है, इस क्रोध को काबू करने की कोशिश करते हैं मगर साइबर स्पेस में बहुत सारी चीजें होती रहती हैं। शेख हसीना के निष्कासन के बाद भारत-बांग्लादेश के संबंधों में तनाव आ गया। यूनुस की मांग पर कि हसीना लोगों से वैसी बातें न करें, जैसी वह ऑनलाइन अकसर करती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर हसीना की गतिविधियों को नियंत्रित न कर सकने की बात की, जिसे उन्होंने विस्फोटक स्थिति बताया। इसी दरम्यान भारत सरकार ने रवीन्द्रनाथ टैगोर के बांग्लादेश स्थित पैतृक निवास पर की गई तोड़-फोड़ की कड़ी निंदा की। यूसुफ ने बीते साल बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख का पदभार संभाला था। जनता के दबाव के बाद उन्होंने 2026 में राष्ट्रीय चुनाव की घोषणा की। बेशक वे अपने मुल्क में मचे राजनीतिक घमासान और कानून-व्यवस्था से अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान भटकाना चाहते हैं। बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता के लिए कोई बाहरी जिम्मेदार नहीं हो सकता। भारत अपने पड़ोसियों से सकारात्मक व रचनात्मक संबंध रखने पर बारीक नजर रखता है। रही बात हसीना को राजनीतिक शरण देने की तो मामला अब अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के समक्ष है। मामले की गंभीरता को समझते हुए दोनों मुल्कों को आपसी असहमतियों को दूर करने के प्रयास करने चाहिए। हालांकि जब तक वहां चुनी हुई सरकार नहीं आती, तब तक कोई भी निर्णय अंतिम नहीं माना जा सकता।

युद्ध से युद्ध का अंत नहीं होता

डॉ. एस.के. मिश्र

हाल में 10 जून को मध्य गाजा में अमेरिका समर्थित एक मानवीय समूह द्वारा संचालित सहायता वितरण स्थल पर हजारों विस्थापित लोगों के पंहुचने के दौरान इजरायली गोलाबारी से कम से कम 17 फिलिस्तीनी मारे गए तथा दर्जनों घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि इजरायली सैन्य क्षेत्र के अंदर स्थित इजरायल और अमेरिका समर्थित 'गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन' के सहायता वितरण केंद्र पर लगभग प्रत्येक दिन गोलीबारी की घटना घटित हो रही है। इजरायल का स्पष्ट कहना है कि उसने हमास पर लगाम लगाने के लिए यह व्यवस्था की है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने इस नवीन व्यवस्था को यह कह कर नकार दिया है कि इसके कारण गाजा में व्याप्त भुखमरी के संकट का समाधान नहीं किया जा सकेगा और इजरायल इस सहायता वितरण केंद्र को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगा। इजरायली सेना के प्रवक्ता एफी डिफ्रिन का कहना है, 'हमास ने हताहतों की संख्या बहुत बढ़ा-चढ़ा कर बताई है।' इजरायल सुरक्षा बल (आईडीएफ) और इजरायल सुरक्षा एजेंसी ने घोषणा की कि उन्होंने 36 वर्षीय एक थाई नागरिक नट्टपोंग पिंटा का शव बरामद किया है, जिसे 7 अक्टूबर के हमले के दौरान मुजाहिदीन ब्रिगेड ने अगवा कर लिया था। उस बीच हमास की सशस्त्र शाखा अल कस्साम ब्रिगेड ने दावा किया कि इजरायली सेना गाजा में एक विशेष स्थान की घेराबंदी कर रही है, जहां इजरायली बंधक को रखा गया है और जिसकी पहचान प्रवक्ता अब्बू ओबेदा ने मतन जंगाउकर के रूप में की है। इधर अबू ओबेदा ने चेतावनी दी कि दुश्मन उसे जिंदा नहीं पकड़ सकेगा। इजरायल ने इस दावे पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजरायल का मानना है कि उसके सैन्य अभियान बड़ी सतर्कता से चलाए जा रहे हैं। इजरायली सेना ने 9 जून की सुबह गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के किए जा रहे एक जलयान को जब्त कर लिया और उसमें सवार सामाजिक कार्यकर्ता स्वीडन निवासी ग्रेटा थनवर्ग तथा अन्य जलवायु कार्यकत्ताओं को हिरासत में ले लिया। वास्तव में ये कार्यकर्ता गाजा पट्टी में जारी इजरायल के सैन्य अभियान का विरोध करने वाले थे, क्योंकि मानवीय सहायता के प्रवेश पर इजरायल द्वारा प्रतिबंधों के कारण 20 लाख फिलिस्तानी आबादी वाले क्षेत्र में अकाल की स्थिति पैदा होने का संकट खड़ा हो गया है। ग्रेटा थनबर्ग गाजा ले रही सहायता सामग्री वाले 'मैडलीन' नामक जहाज पर सवार 12 यात्रियों में से एक थीं। वास्तव में 'फ्रीडम फ्लोटिला कोलिशन' नामक संगठन गाजा पट्टी क्षेत्र में मानवीय मूल्यों की सुरक्षा हेतु सहायता द्वारा पहुंचाने और इजरायल द्वारा की गई घेरेबंदी तथा युद्ध के दौरान उसके आचरण अथवा व्यवहार का विरोध करने और फिलिस्तानियों तक राहत सामग्री की आपूर्ति करने के लिए ही इस यात्रा का विशेष आयोजन किया गया था। इस संगठन के अनुसार इजरायली नौ सेना ने जलयान को गाजा से लगभग 200 किमी. की दूरी पर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में जब्त कर लिया। 'फ्रीडम फ्लोटिला कोलिशन' सहित अन्य अनेक अधिकार समूहों ने इजरायल की इस कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून व नियमों का उल्लंघन करार दिया। दूसरी ओर, इजरायल ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि इस प्रकार के जलयान गाजा में उसकी नौ सैनिक नाकाबंदी का उल्लंघन करते हैं। इजरायल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस्रसल की नौ सेना के साथ गिरफ्त में लेकर अपने आदोह बंदरगाह लाया गया। इजरायल में ग्रेटा और अन्य कार्यकर्त्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कानूनी अधिकार समूह अदाला के अनुसार ग्रेटा थनबर्ग, दो अन्य कार्यकर्ता और एक पत्रकार भी स्वयं ही इजरायल छोड़ने के लिए सहमत हो गए हैं। इजरायल के विदेा मंत्रालय ने सामाजिक कार्यकर्ताओं की इस यात्रा को 'जनसंपर्क का हथकंडा' बताया।

बिहार में जीत के लिए कांग्रेस फिर से काठ की हांडी के भरोसे

योगेंद्र योगी

लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव और कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हारने से भी कांग्रेस ने कोई सबक नहीं सीखा है। देश में भ्रष्टाचार और विकास के मुद्दे उठाने के बजाए पुराने गढ़े मुर्दे उखाड़ कर अपना खोया हुआ जनाधार फिर से प्राप्त करने की नाकाम कोशिशों में जुटी हुई है। देश की सबसे पुरानी पार्टी को देश के मतदाताओं की नब्ज पकड़ में नहीं आई है। इतने चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस को यह समझ नहीं आया है कि आखिर देश के मतदाता चाहते क्या हैं। मतदाताओं की जरूरतों को समझने के बजाए कांग्रेस सत्ता प्राप्ति के लिए काठ की हांडी को बार-बार चढ़ाने के प्रयास में मात खा रही है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों से यही लगता है कि कांग्रेस के पास मुद्दों की या समझ की कमी हो गई है।

कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जीवाड़े का आरोप लगा रही है। आश्चर्य यह है कि यही कांग्रेस जब कर्नाटक, हिमाचल और तेलंगाना में चुनाव जीती तब निर्वाचन प्रक्रिया पर ऐसे आरोप नहीं लगाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर फिर एक बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने 5 स्टेप में महाराष्ट्र चुनाव में फिक्सिंग की बात कही है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए उनके सभी दावों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने एक अग्रेजी अखबार में लिखे अपने लेख के जरिए भाजपा पर आरोप लगाया कि महाराष्ट्र चुनावों में मैच फिक्सिंग की गई और अब कुछ ऐसा ही बिहार में दोहराया जाएगा। राहुल गांधी ने अपने इस लेख को सोशल मीडिया पर शेयर किया।

राहुल गांधी ने लिखा कि भाजपा और उसके सहयोगियों ने महाराष्ट्र में चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी। कांग्रेस नेता ने यह कहा कि महाराष्ट्र की तरह की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो। राहुल गांधी के इस आरोप पर भाजपा के साथ-साथ जदयू, हम सहित अन्य दलों ने भी कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रतिक्रिया दी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी द्वारा 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट करार दिये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता कई चुनाव में हार से दुखी और हताश है और इसलिए विचित्र साजिशें रचने का आरोप लगा रहे हैं।

भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी को यह नहीं पता कि चुनावी प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्हें बहुत अच्छे से पता है। लेकिन उनका मकसद स्पष्टता नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। जेडीयू नेता के सी त्यागी ने कहा कि चुनाव आयोग का जितना दुरुपयोग कांग्रेस ने अपने जमाने में किया है उतना किसी ने नहीं किया। मुख्य चुनाव आयुक्त एम एस गिल को सांसद बनाया और मंत्री बनाया। कांग्रेस पार्टी की जो नीतियां रही हैं पिछड़ों और वंचितों को लेकर उसके चलते उनके वोटो पर पहले ही चोरी नहीं बल्कि डाका पड़ चुका है। त्यागी ने कहा कि बिहार चुनाव से पहले ही राहुल गांधी हार मान चुके हैं। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में राहुल गांधी के दावों को निराधार बताया। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर लंबा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुके हैं। 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। ऐसा लगता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि किसी के द्वारा प्रसारित कोई भी गलत सूचना चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी तथा चुनाव कर्मचारियों का मनोबल तोडने वाला होता है, जो इस बड़ी कवायद के लिए अथक परिश्रम करते हैं। आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अनादर है।

चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि महाराष्ट्र में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 6.41 करोड़ मतदाताओं ने वोट दिया। अर्थात हर घंटे औसतन 58 लाख वोट पड़े। इस लिहाज़ से आखिरी दो घंटों में 116 लाख वोट पड़ सकते थे। जबकि आखरिी दो घंटों में केवल 65 लाख वोट पड़े जो औसत से काफ़ी कम था। आयोग ने तब कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, 2024 से पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल की ओर से कोई शिकायत नहीं थी। गौरतलब है कि इससे पहले कांग्रेस ईवीएम मशीनों से वोटिंग के बजाए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर चुकी है। कांग्रेस का आरोप था कि ईवीएम मशीनों में हेराफेरी की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2024 में कई याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इन याचिकाओं में चुनाव के दौरान सभी ईवीएम के जरिए डाले गए वोटों का मिलान वोटर-वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल स्लिप से करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाओं को खारिज करते हुए सीजेआई खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने बैलेट पेपर सिस्टम पर वापस लौटने की याचिकाकर्ताओं की मांग को कमजोर, प्रतिगामी और अनुचित बताया था। बेंच ने फैसला सुनाया था कि ईवीएम सरल, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल हैं। चुनाव हो जाने के करीब एक साल बाद महाराष्ट्र में चुनावी धांधलियों का आरोप लगाने पर यही माना जाएगा कि कांग्रेस गफ्लत में हैं। यदि चुनावों में गड़बड़ी की शिकायतें हैं भी तो इन्हें अदालतों में चुनौती दी जा सकती है। कांग्रेस को शायद अंदाजा है कि अदालतों में उसके लगाए आरोप टिक नहीं पाएंगे। सवाल यह भी है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बेईमानी का मुद्दा उठाने वाली कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल में जीतने के बाद चुप क्यों रही। कांग्रेस ने इन तीनों राज्यों में फिर से मतदान कराने या चुनाव आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप क्यों नहीं लगाया। कांग्रेस मौजूद ज्वलंत मुद्दों पर शायद भाजपा का सामना नहीं कर सके, यही वजह है कि ऐसे पुराने घिसे-पिटे मुद्दे उठा कर बिहार चुनाव जीतने की कवायद में जुटी हुई है।

नए भारत की नई कहानीः ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

गिरिराज सिंह

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा, अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढ़ना जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है।

मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही, एक आकंड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है, जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है, जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढ़ने के बजाय नौकरी देने वाला बना।

आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। जीएसटी संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है।

डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज यूपीआई के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है।

भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मज़बूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन आईफोन एक्सपोर्ट हुए, चीन से तीन गुना ज़्यादा। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल बाज़ार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोज़गार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है।

हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान आईडी है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है।

भारत में गरीबी दर 2011-12 के 29.5 प्रतिशत से घटकर आज 9.4 प्रतिशत रह गई है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि अत्यंत गरीबी अब मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। इस परिवर्तन में उस ग्रामीण परिवार की कहानी छिपी है, जिसके बच्चे पहली बार स्कूल गए, जिसने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को नज़दीक पाया, और जिसने आत्मनिर्भरता को अपनी पहचान बनाया।

इंफ्रास्ट्रक्चर में भी भारत ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। आज भारत एक साल में 1,600 इंजन बनाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता है। ऊर्जा क्षेत्र में 49 प्रतिशत क्षमता अब नवीकरणीय स्रोतों से है। भारत अब सस्टेनेबल विकास की राह पर तेज़ी से अग्रसर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी भारत की क्षमता को वैश्विक मान्यता मिल रही है। ओपनएआई जैसी संस्थाओं ने भारत में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय एआई अकादमी शुरू की है, यह हमारे युवाओं की प्रतिभा और संभावनाओं में भरोसे का प्रमाण है।

नए भारत की विकास यात्रा में टेक्सटाइल सेक्टर भी एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। तकनीकी वस्त्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन (एनटीटीएम) और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना एक-दूसरे के पूरक बनकर कार्य कर रही हैं। एनटीटीएम के तहत ?510 करोड़ की सहायता से 168 नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वहीं, टेक्सटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक मानकों पर लाने के लिए देशभर में 7 पीएम मित्रा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पूरी वैल्यू चेन को 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल पर काम करने की सुविधा मिलेगी। यह क्षेत्र अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और निर्यात का नया प्रतीक बन चुका है।

आज भारत को विश्व व्यापार संगठन और विश्व आर्थिक मंच जैसे वैश्विक संस्थान केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रोथ इंजन के रूप में देख रहे हैं।

जातिवाद और तुष्टीकरण की विकृत राजनीति का खतरनाक खेल

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तीव्र हो रही हैं। इन सरगर्मियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश के प्रमुख विरोधी दल समाजवादी पार्टी के साथ साथ अन्य विरोधी दल भी इन आगामी चुनावों में पहले की ही तरह जातिवाद और तुष्टीकरण को ही अपना प्रमुख हथियार बनाएंगे। सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस प्रकार पीडीए के नाम पर हिन्दू समाज को जाति-जाति में विभाजित करके अपना स्वार्थ सिद्ध करने अर्थात वर्ष 2027 में सपा सरकार बनाने की योजना बनाई है वह वास्तव में प्रदेश के सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त करने का एक खतरनाक खेल है। विगत दिनों प्रदेश में कई ऐसी घटनाएं घटी हैं जो इस खतरनाक खेल की आहट दे रही हैं।

समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव इटावा में कथावाचक के साथ घटी घटना पर आक्रामक होकर आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं वहीं नैमिष में एक अन्य कथावाचक के साथ घटीअप्रिय घटना पर मौन हैं। यह तो अच्छा हुआ कि पुलिस प्रशासन ने इटावा के कथावाचक के साथ मारपीट की घटना से सम्बंधित चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की निष्पक्ष जांच आरंभ हो गई है। इटावा की घटना को लेकर अनावश्यक रूप से ब्राह्मण समाज के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं वो सामाजिक वैमस्यता बढ़ाने वाली हैं। स्मरणीय है कि सत्ता की भूख में आज पीडीए की बात करने वाले सपा मुखिया की सरकार बनते ही 2012 में सबसे पहले सीतापुर में बड़ी संख्या में दलित समाज के घरों को जला दिया गया था।

इटावा की घटना की जांच चल रही है किंतु अखिलेश यादव जांच रिपोर्ट को प्रभावित करने के लिए गलत बयानी कर रहे हैं। हिंदू समाज में किसी भी जाति का, कोई भी व्यक्ति जिसे धर्मग्रंथों का ज्ञान है तथा जनमानस को अच्छी बातें बताने की क्षमता रखता है वह कथावाचन कर सकता है। अधिकांश कथा वाचक गैर ब्राह्मण ही हैं। कथावाचक की जाति पर कभी चर्चा नहीं होती। यदि कोई कथावाचक अपनी जाति व धर्म को छुपाकर यह कृत्य करता है तो चिंता की बात है। कोई कथा कहना चाहता है तो उसे अपना सही नाम बताने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए । नाम छुपाने के साथ साथ एक से अधिक आधार कार्ड रखना एक आपराधिक कृत्य है कोई कथावाचक ऐसा क्यों करेगा? इस पूरी घटना में सपा की प्रतिक्रिया से लगता है कि संभव है कि इटावा की घटना सुनियोजित षड्यंत्र के अंतर्गत करवाई गई हो और एक समय बसपा का नारा रहे तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार को अब सपा ने अपना लिया है। सपा ने पीडीए का दिल जीतने के लिए ब्राह्मण समाज का अपमान किया है।

इस बीच सपा ने राज्यसभा चुनावों के दौरान क्रास वोटिंग करने वाले तीन विधायकों ऊंचाहार से मनोज कुमार पांडेय, गोसाईगंज से अभय सिंह और गौरीगंज से राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निकाल दिया है। सपा की ओर से एक्स पर लिख गया कि सांप्रदायिक व पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण तीनों विधायकों को निकाला गया है। वहीं इन विधायकों का कहना है कि भगवान राम और रामचरित मानस के अपमान का विरोध करने के कारण इन सभी को निष्कासित किया गया है। विधायक मनोज पांडेय ने कहा कि मैंने सपा नेताओं द्वारा हिंदू देवी-देवताओं को गाली दिए जाने तथा रामायण की प्रतियां जलाने का विरोध किया था। विधायक मनोज पांडेय अयोध्या में रामलला के दर्शन भी कर आये हैं। सभी विधायकों ने कहा कि सपा में हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जाता है। समाजवादी पार्टी ने अब लोहिया की विचारधारा को त्याग चुकी है।

अखिलेश यादव आजकल कोई भी विषय हो पीडीए को बीच में घसीट लाते हैं। हाल ही में सोने-चांदी के बढ़ रहे दामों पर बयान देते हुए उन्होंने कहा कि सोने-चांदी के दाम चरम सीमा पर है जिस कारण गरीब पीडीए समाज की बिटिया की सगाई में सोना कैसे खरीदा जाएगा जबकि वह अच्छी तरह से जानते हैं कि सोने चांदी की कीमतों पर केंद्र सरकार व राज्य सरकार का कोई नियंत्रण नहीं होता है अपितु यह अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर होता है।

समाजवादी पार्टी मुखिया एक घोषणा यह भी कर रहे है कि जब उनकी सरकार आयेगी तब महापुरुषों की सोने की मूर्तियां लगवाई जाएंगी। अखिलेश यादव ने कन्नौज में सम्राट हर्षवर्धन और बहराइच में महाराज सुहेलदेव राजभर की सोने की मूर्तियां लगवाने की घोषणा की है। सत्यता यह है कि सपा मुखिया प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास और हिन्दुत्व के समन्वित एजेंडे का उत्तर नहीं खोज पा रहे हैं। बहराइच में योगी जी महाराज सुहेलदेव की कांस्य की प्रतिमा का अनावरण कर चुके हैं। मूर्तियों की घोषणा पर सपा मुखिया से यह प्रश्न भी पूछा जा सकता है कि जब 2012 से 217 तक प्रदेश में उनकी सरकार थी तब उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया?

समाजवादी पार्टी जब सत्ता में रही तब उसने अपनी तुष्टीकरण की नीति के चलते मुस्लिम आक्रान्ताओं को पराजित करने वाले महाराज सुहेलदेव सहित किसी भी अन्य महापुरुष का सम्मान नहीं किया। इसी प्रकार सपा नेता ने छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान में आगरा में भव्य संग्रहालय और लखनऊ गोमती नदी के तट पर सोने के सिंहासन पर बैठी उनकी एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी। सपा मुखिया इतना सोना आखिर लायेंगे कहां से ? नेताओं को वही घोषणाएं करनी चाहिए जिस पर जनमानस विश्वास कर सके, नहीं तो चुनाव परिणाम आने पर फिर वही राग छिड़ेगा कि ईवीएम खराब है बैलट वापस लाओ।

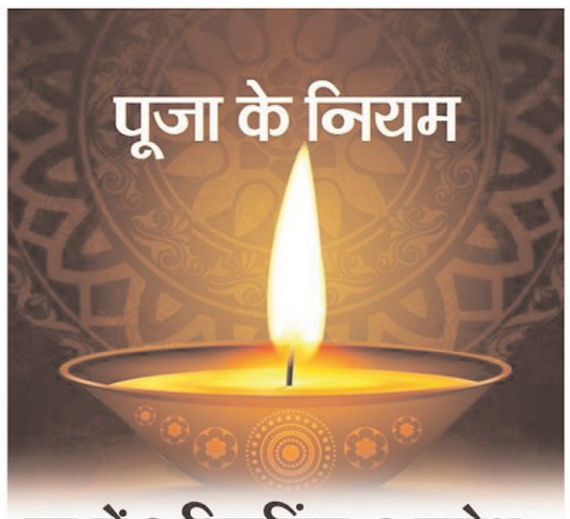

घर में 2 शिवलिंग, 3 गणेश, 2 शंख, और 3 दुर्गा मूर्ति भूलकर भी न रखें

हम सभी के घर में भगवान का मंदिर होता है लेकिन अज्ञानतावश हम कुछ गलतियां कर जाते हैं। प्रस्तुत है कुछ आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारियां.

एक घर में कम से कम पांच देवी देवताओं की पूजा होनी ही चाहिए-गणेश, शिव, विष्णु, सूर्य, दुर्गा। किसी भी देव या देवी के पूजन के प्रति संकल्प, एकाग्रता, श्रद्धा होना बहुत ही आवश्यक है।

गृहे लिंगद्वयं नाच्यं गणेशत्रितयं तथा।
शंखद्वयं तथा सूर्यो नार्च्यो शक्तित्रयं तथा।
द्वे चक्रे द्वारकायास्तु शालग्राम शिलाद्वयम।
तेषां तु पुजनेनैव उद्वेगं प्राप्नुयाद गृही।

अर्थ- घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य, तीन दुर्गा मूर्ति, दो गोमती चक्र और दो शालिग्राम की पूजा करने से गृहस्थ मनुष्य को अशांति होती है।

- शालिग्राम जी की प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती।
- दुर्गा की एक,सूर्य की सात,गणेश की तीन,विष्णु की चार और शिव की आधी ही परिक्रमा करनी चाहिए।
- तुलसी के बिना ईश्वर की पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। तुलसी की मंजरी सब फूलों से बढ़कर मानी जाती है।
- अमावस्या,पूर्णिमा,द्वादशी और रात्रि और संध्या काल में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए।
- प्रतिदिन पंचदेव पूजा अवश्य करनी चाहिए।
- यदि कोई मंत्र कंठस्थ न आता हो तो बिना मंत्र के ही जल, चंदन ,फूल आदि चढ़ाकर पूजा करनी चाहिए। फूल चढ़ाते समय ध्यान रखें कि उसका मुख ऊपर की ओर हो।
- सदैव दाएं हाथ की अनामिका एवं अंगूठे की सहायता से फूल अर्पित करने चाहिए। चढ़े हुए फूल को अंगूठे और तर्जनी की सहायता से उतारना चाहिए।
- फूल की कलियों को चढ़ाना मना है,किंतु यह नियम कमल के फूल पर लागू नहीं है।

जानिए गंगा का जल क्यों नहीं होता कभी खराब

भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी के रूप में पूजा जाता है। प्रमुख वार-त्योहारों पर श्रद्धालु इन्ही नदियों के घाट किनारे स्नान करने जाते है और पात्रों में भरकर इन नदियों के जल को अपने घरों में भी लाते हैं। इस जल का उपयोग घर की शुद्धि करने, चरणामृत में मिलाने, पूजा या अनुष्ठान करने जैसे कई धार्मिक कार्यों में किया जाता है। लगभग हर हिन्दू परिवार में आपको एक कलश मिल ही जाएगा जिसमे गंगाजल होता है। भारत में लोग गंगा जल को सबसे ज्यादा पवित्र मानते हैं और बताते हैं कि इसका पानी कभी खराब नहीं होता। अब सवाल ये है कि इतने अवांछित पदार्थों के मिल जाने के बाद भी गंगा जल आखिर खराब क्यों नहीं होता? हिन्दू वेद-पुराणों और धार्मिक ग्रंथों की माने तो उनमें गंगा की महिमा का वर्णन कई कथाओं के माध्यम से मिल जाएगा। इस विषय में एक घटना ये भी प्रचलित है कि एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने वर्ष 1890 में गंगा के पानी पर रिसर्च भी की थी। दरअसल, उस दशक में भारत के कई हिस्सों में हैजा का भयंकर प्रकोप था, जिसने कई लोगों की जान ली थी। उस समय लोग लाशों को गंगा नदी में फेंक जाते थे। गंगा के उसी पानी में नहाकर या उसे पीकर अन्य लोग बीमार ना पड़ जाए, इसी बात की चिंता उस वैज्ञानिक को थी। लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और गहन शोध के बाद उसने यह पाया की गंगा नदी के पानी में विचित्र वायरस है जो इसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इस वजह से गंगा के पानी को घरों में कई दिनों तक रखा जाने के बाद भी उसमें से दुर्गंध नहीं आती।

'पवित्रता के पर्याय' गंगाजल का नाम आते ही ये सवाल हमारे मन में जरूर आता है। लेकिन इसका जवाब भी वैज्ञानिकों ने खोज निकाला है। दरअसल, हिमालय में स्थित गंगोत्री से निकली गंगा का जल इसलिए कभी खराब नहीं होता, क्योंकि इसमें गंधक, सल्फर इत्यादि खनिज पदार्थों की सर्वाधिक मात्रा पाई जाती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों का कहना है कि गंगा का जल हिमालय पर्वत पर उगी कई उपयोगी जड़ी-बूटियों को स्पर्श करते हुए आता है। एक अन्य रिपोर्ट ये भी दावा करती है कि गंगा जल में' बैक्ट्रिया फोस' नामक एक विशेष बैक्टीरिया पाया जाता है, जो इसमें पनपने वाले अवांछित पदार्थों को खाता रहता है, जिससे इसकी शुद्धता बनी रहती है।

गंगा हिमालय से शुरू होने के बाद कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों तक पहुंचती है जहां खेतीबाड़ी का कचरा-कूड़ा और औद्योगिक रसायनों की भारी मात्रा इसके पानी में मिल जाती है , इसके बाद भी गंगा का पानी पवित्र बना रहता है। इसका एक और वैज्ञानिक कारण है कि इसे शुद्ध करने वाला तत्त्व गंगा की तलहटी में ही मौजूद है। कई वर्षों से गंगा के पानी पर शोध करने वाले आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने ये निष्कर्ष निकाला है कि गंगा के पानी में वातावरण से आक्सीजन सोखने की अद्भुत क्षमता है, जो दूसरी नदियों के मुकाबले कम समय में पानी में मौजूद गंदगी को साफ करने में मदद करती है।

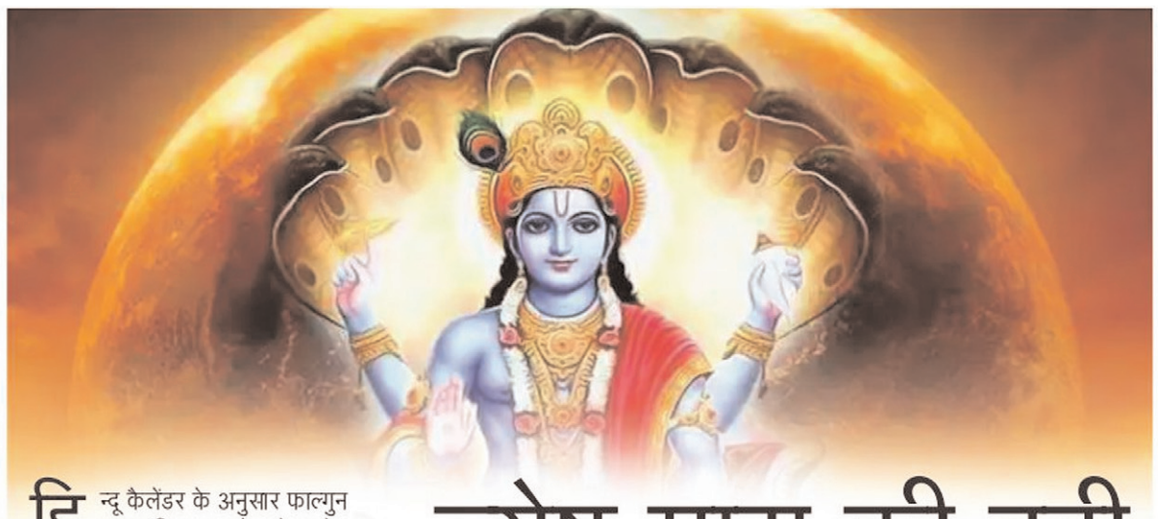

ज्येष्ठ मास की बड़ी बातें, क्या और क्यों है महत्व इस माह का

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन माह अंतिम माह होता है इसके बाद चैत्र माह वैशाख और फिर ज्येष्ठ। इस बार ज्येष्ठ का प्रारंभ अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 13 माई 2025 से ज्येष्ठ माह प्रारंभ हो गया है। आओ जानते हैं इस माह की बड़ी बातें।

महत्व : ज्येष्ठ मास में सूर्य की तपन अपने चरम पर रहती है। इसीलिए सूर्य की ज्येष्ठता के कारण इस महीने को ज्येष्ठ कहा जाता है। इन दिनों सर्वाधिक बड़े दिन होते हैं। इस माह में नौतपा भी लगता है। शास्त्रों में इसी माह में जल के संरक्षण का महत्व बताया गया है। ज्येष्ठ मास में जल के दान को बहुत बड़ा पुण्य माना गया है। ज्येष्ठ के महीने में भगवान श्रीराम से हनुमान की मुलाकात हुई थी, जिसके चलते ये इस माह के मंगलवार पर हनुमान पूजा का खासा महत्व रहता है।

निम्नलिखित चौपाई से यह पता चलता है कि किस माह में क्या कार्य नहीं करना चाहिए।

चौते गुड़, वैशाखे तेल,
जेठ के पंथ, अषाढ़े बेल।
सावन साग, भादो मही,
कुवांर करेला, कार्तिक दही।
अगहन जीरा, पूसै धना,
माघै मिश्री, फाल्गुन चना।
जो कोई इतने परिहरै,
ता घर बैद पैर नहिं धरै।।
चैत चना, बैसाखे बेल, जैठे शयन,
आषाढ़े खेल, सावन हर्रे, भादो तिल।
कुवार मास गुड़ सेवै नित, कार्तिक मूल,
अगहन तेल, पूस करे दूध से मेल।
माघ मास घी-खिचड़ी खाय,
फागुन उठ नित प्रात नहाय।।

ज्येष्ठ माह में क्या करना और क्या नहीं चाहिए

- ज्येष्ठ माह में दोपहर में चलना खेलना मना है। इन महीनों में गर्मी का प्रकोप रहता है अतः ज्यादा घूमना-फिरना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अधिक से अधिक शयन करना चाहिए।
- इस माह बेल खाना चाहिए या बेल का रस पीना चाहिए। इस माह में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए।
- इस माह में लहसुन, राईं, गर्मी करने वाली सब्जियां और फल नहीं खाना चाहिए।
- इस माह में जल की पूजा की जाती है। इस माह में जल को लेकर दो त्योहार मनाए जाते हैं, पहला गंगा दशहरा और दूसरा निर्जला एकादशी।
- घाघ ने कहा कि जो व्यक्ति ज्येष्ठ माह में दिन में सोता है वह रोगी होती है।
- इस माह में बैंगन खाने से दोष लगता है और रोग उत्पन्न होता है। यह संतान के लिए शुभ नहीं होता है।
- ज्येष्ठ के माह में ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है।
- ज्येष्ठ माह में एक समय भोजन करना वाला निरोगी रहता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है- 'ज्येष्ठामूलं तु यो मासमेकभक्तेन संक्षिपेत। ऐश्वर्यमतुलं श्रेष्ठं पुमान्स्त्री वा प्रपद्यते।
- इस माह तिल का दान करने से अकाल मृत्यु से जातक बचा रहता है।
- ज्येष्ठ माह में हनुमानजी की प्रभु श्रीराम से मुलाकात हुई थी। इसीलिए इस माह में हनुमानजी की पूजा करने से लाभ मिलता है।

श्री कृष्ण का वृंदावन धाम 8 रहस्य या चमत्कार

ब्रजमंडल में मथुरा, गोकुल, नंदगांव, वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन आदि क्षेत्र आते हैं। मथुरा जहां श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। वहीं गोकुल उनकी बाललीला की भूमि है। श्रीकृष्ण जब थोड़े बड़े हुए तो वृंदावन उनका प्रमुख लीला स्थली बन गया। उन्होंने यहां रास रचा और दुनिया को प्रेम का पाठ पढ़ाया। बरसाना श्रीराधा की जन्मभूमि है और उनका परिवार भी वृंदावन में आकर रहने लगा था। आओ जानते हैं वृंदावन धाम के 8 चमत्कार या रहस्य को।

रंग महल : वृंदावन में रंग महल है। प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रातः दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं। हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है तो वह अगले दिन पागल हो जाता है।

अपने आप बंद होता और खुलता मंदिर : वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है।

वृंदावन और तुलसी का रहस्य : वृंदा तुलसी को कहा जाता है। यहां तुलसी के पौधे अधिक हैं, इसलिए इसे वृंदावन नाम दिया गया। यानी वृंदा (तुलसी) का वन। कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।

अजीब हैं पेड़ : मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ और निधिवन में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है। जहां आमतौर पर पेड़ ऊपर की तरफ बढ़ते हैं वहीं निधिवन में मौजूद पेड़ों की ऊंचाई बेहद कम हैं और इनकी शाखाएं इसकी जड़ों की ओर बढ़ती है। यहाँ पेड़ भी आपस में गुथे हुए हैं जो इस जगह को देखने में भी रहस्यमयी बनाती है।

मंदिर में करते हैं शयन : मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं। लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था। सबसे आश्चर्य की बात यह भी कि यहां प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

घरों की खिड़कियां कर देते हैं बंद : यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।

निधिवन : कहते हैं कि आज भी समय-समय पर प्रभु वृंदावन के निधिवन और मथुवन में रास भी करते हैं। वहां के मंदिरों में भ्रमण भी करते हैं। कहते हैं कि श्रीकृष्ण वृंदावन के निधिवन में रासलीला करने आते हैं और उनके साथ श्रीराधा सहित उनकी अष्ट सखियां भी आती हैं। लोगों का मानना है कि यहाँ हर रात आरती के बाद श्री कृष्ण, राधा और उनकी गोपियाँ रास रचाते हैं। आस-पास रहने वाले कई लोगों का कहना है कि उन्हें कई बार घुंघरूओं की आवाज सुनाई देती है, लेकिन कोई इस रास-लीला को अपनी आँखों से देखने की हिम्मत नहीं रखता, और देख ले तो फिर दुनिया में कुछ और देखने-समझने के लायक नहीं रहता। यानी अंधा हो जाता है। इसलिए अब निधिवन के दरवाजे शाम 7 बजे बंद कर दिया जाते हैं।

हरिदास भक्त : वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर से कई कथाएं जुड़ी हुई है। कहते हैं कि श्री हरिदासजी बांके बिहारी के सबसे बड़े भक्त थे जिनकी भक्ति और चमत्कारों की कई कथाएं प्रचलित हैं। भगवान की भक्त में डूबकर हरिदास जी जब भी गाने बैठते तो प्रभु में ही लीन हो जाते। इनकी भक्ति और गायन से रिझकर भगवान श्री कृष्ण इनके सामने आ जाते।

चतुर्थी का व्रत करने के 2 सबसे बड़े लाभ

प्रत्येक माह में दो चतुर्थी होती है। इस तरह 24 चतुर्थी और प्रत्येक तीन वर्ष बाद अधिमास की मिलाकर 26 चतुर्थी होती है। सभी चतुर्थी की महिमा और महत्व अलग-अलग है। आओ जानते हैं चतुर्थी का व्रत करने के 5 लाभ।

विनायक चतुर्थी

चतुर्थी (चौथ) के देवता हैं शिवपुत्र गणेश। इस तिथि में भगवान गणेश का पूजन से सभी विघ्नों का नाश हो जाता है। भाद्र माह की चतुर्थी को गणेशजी का जन्म हुआ था, जिसे विनायक चतुर्थी कहते हैं। कई स्थानों पर विनायक चतुर्थी को 'वरद विनायक चतुर्थी' और 'गणेश चतुर्थी' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की आराधना सुख-सौभाग्य की दृष्टि से श्रेष्ठ है।

संकष्टी चतुर्थी

माघ मास के कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी, माघी चतुर्थी या तिल चौथ कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। चतुर्थी के व्रतों के पालन से संकट से मुक्ति मिलती है और आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

चतुर्थी का रहस्य

यह खला तिथि हैं। तिथि 'रिक्ता संज्ञक' कहलाती है। अतः इसमें शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। यदि चतुर्थी गुरुवार को हो तो मृत्युदा होती है और शनिवार की चतुर्थी सिद्धिदा होती है और चतुर्थी के 'रिक्ता' होने का दोष उस विशेष स्थिति में लगभग समाप्त हो जाता है। चतुर्थी तिथि की दिशा नैऋत्य है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं और पूर्णिमा के बाद कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं।

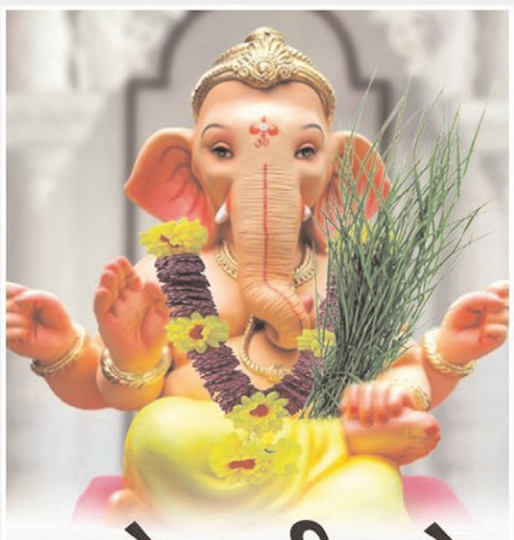

गणेश जी को दूर्वा चढ़ाने के खास नियम हैं

बुधवार और चतुर्थी तिथि गणेशजी के दिन है। इस दिन इनकी विशेष पूजा करना चाहिए। पूजा करने के दौरान गणेशजी को विशेष वस्तुएं अर्पित की जाती है जो कि उनके पसंद की होती है। इन वस्तुओं को अर्पित करने से गणपतिजी प्रसन्न हो जाते हैं। इन्हीं वस्तुओं से एक है दूर्वा। आओ जानते हैं दूर्वाचढ़ाने के खास नियम और मंत्र।

दूर्वा चढ़ाने के खास नियम

- प्रातःकाल उठकर गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने बैठकर व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- फिर ऊं गं गणपतयै नमः मंत्र बोलते हुए जितनी पूजा सामग्री उपलब्ध हो उनसे भगवान श्रीगणेश की पूजा करें।
- गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर लगाएं। फिर उन्हें 21 गुड़ की ढेली के साथ 21 दूर्वा चढ़ाएं। मतलब 21 बार 21 दूर्वा की गाठें अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा गणेशजी को मोदक और मोदीचूर के 21 लड्डू भी अर्पित करें। इसके बाद आरती करें और फिर प्रसाद बांट दें।
- दूर्वा अर्पित करने का मंत्र : 'श्री गणेशाय नमः दूर्वाकुरान समर्पयामि।' : इस मंत्र के साथ श्रीगणेशजी को दूर्वा चढ़ाने से जीवन की सभी विघ्न समाप्त हो जाते हैं और श्रीगणेशजी प्रसन्न होकर सुख एवं समृद्धि प्रदान करते हैं।
- क्या होगा दूर्वा अर्पित करने से : इस दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाकर विशेष पूजा की जाती है। ऐसा करने से परिवार में समृद्धि बढ़ती है और मनोकामना भी पूरी होती है। इस व्रत का जिक्र स्कंद, शिव और गणेश पुराण में किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

चालू वित्तीय वर्ष के संपत्तिकर में 5 प्रतिशत छूट का लाभ उठावें

भिलाईनगर। नगर निगम भिलाई में मकान/दुकान मालिकों के लिए संपत्तिकर में छूट लेने का सुनहरा अवसर है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 का संपत्ति कर जमा करने वालों के लिए वर्तमान में निगम भिलाई द्वारा 5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। जिनका भी संपत्ति कर बकाया है, वे अपनी संपत्ति कर जल्द से जल्द जमा कर सकते हैं और चल रहे छूट का लाभ ले सकते हैं। यदि भूमि स्वामी द्वारा स्वविवरणी अनुसार अपने मकान/दुकान का क्षेत्रफल के संबंध में गलत जानकारी दिए हैं तो नगर निगम के टीम के जॉच के पूर्व कार्यालय आकर अपना स्वविवरणी सुधार कर लेवे। अन्यथा जांच में गलत जानकारी पाए जाने पर अंतर की राशि का 5 गुना पेनाल्टी शुल्क भुगतान करने का प्रावधान है। इस संबंध में नोटिस मिलने के पश्चात शांति नगर निवासी द्वारा कोर्ट में याचिका दायर किया गया था, जिसे माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा खारिज कर दिया गया है और नगर निगम भिलाई के पक्ष में फैसला सुनाया है।

शताब्दी कुएं के ऊपर भगवान शिव की विशाल प्रतिमा,शिव वाटिका का लोकार्पण महापौर अल्का बघामार ने की पूजा

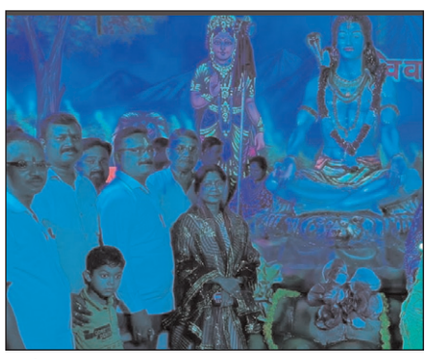

दुर्ग/ 27 नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत गंजपारा वार्ड-36 के शताब्दी वर्ष पुराने कुएं की सफाई करवाकर, आसपास सौंदर्याकरण करके शिव वाटिका के रुप में गंजपारा का ऐतिहासिक धरोहर बनाया गया। इसका लोकार्पण दुर्ग महापौर अल्का बाघमार और सभापति श्याम शर्मा,पार्षद प्रतिमा सुरेश गुप्ता और नागरिको की उपस्थित में हुआ। जानकारी में बताया कि गंजपारा में 100 वर्ष से भी अधिक पुराने कुंआ, जानकारी के मुताबिक कभी पूरा गंजपारा पानी भरता था और स्नान भी करता था,जो कि पिछले कई वर्षों से कचरा भर जाने के कारण बंद हो गया था।जिसकी सफाई कई दिनों से जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग बोलबम सेवा समिति एवं गंजपारा वासियों के द्वारा कराई गई। इसमें से लगभग कचरा साफहोने के बाद कुंए की सफाई पूरी हुई।उसके बाद कुंआ के आस-पास सौंदर्याकरण कार्य कराया गया।जिसमें दुर्ग नगर निगम पार्षद निधि से रुपए चार लाख की लागत से कुंए के पास नाली निर्माण, कुंए के ऊपर भगवान शिव की विशाल प्रतिमा, आकर्षित साज-सज्जा,आकर्षित पेंटिंग के साथ शिव वाटिका का निर्माण नगर निगम दुर्ग द्वारा कराया गया है। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकार,शेखर चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल, काशीराम कोसरे,पार्षद कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन,देवनारायण तांडी, ज्ञानदास बंजारे, मनोज सोनी,प्रकाश गीते, मनीष कोठारी, गुड्डु यादव, जीतू महोबिया, जितेंद्र ताम्रकार,गुलशन साहू,अजय शर्मा,कमल रूंगटा,अशोक राठी,विवेक मिश्रा,रियाज चौहान,राजेश शर्मा सहित आदि मौजूद थे।

पूर्व विधायक रंजना साहू ने कवि डॉ सुरेन्द्र दुबे के निधन पर शोक व्यक्त किया

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी-: देश विदेश में छत्तीसगढ़ को अपनी हास्य कविताओं से विशिष्ट पहचान दिलाने वाले हास्य कवि डॉ सुरेन्द्र दुबे के निधन से पूरे देश के साहित्य जगत में शोक की लहर व्याप्त है,अपनी अनूठी हास्य रचनाओं से श्रोताओं को हंसाने वाले कवि का जाना सभी को अखर गया,वहीं धनतरी की पूर्व विधायक प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रंजना साहू ने कवि डॉ सुरेंद्र दुबे के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा हास्य कवि डॉ सुरेन्द्र दुबे ने छत्तीसगढ़ की भाषा और संस्कृति का देश विदेश में परचम लहराया,उनकी रिक्तता को पूरा प्रदेश महसूस करेगा,उनकी रचनाएँ ना केवल हास्य का माध्यम थी,बल्कि समाज को आईना दिखाने का कार्य भी करयी थी,उनका जाना साहित्य जगत एवं उनके श्रोताओं के साथ साथ प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए अपूर्णीय क्षति है। उनके निधन का गहरा शोक व्यक्तिगत रूप से मुझे भी लगा है,प्रभु डॉ सुरेंद्र दुबे जी की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिवार सहित प्रदेश के तमाम उनके श्रोताओं चाहने वालों को इस दुख की घड़ी में संबल दें।

सफलता की कहानी : प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

पर्यावरण हो रहा सुरक्षित, बिजली बिल में भी आ रही कमी

भूपेन्द्र साहू को बिजली बिल से मिल रही राहत

धमतरी (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य देश के नागरिकों को सस्ती और स्थायी ऊर्जा मुहैय्या कराना है। इस योजना से न सिर्फ हमारा पर्यावरण सुरिक्षत हो रहा है, बल्कि इसकी मदद से लोगों के घरों में आने वाले अधिक बिजली के बिल में भी कमी आयी है। धमतरी के समीप कोलियारी गांव के श्री भूपेन्द्र ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी समाचार पत्र-पत्रिकाओं के जरिए प्राप्त हुई। इस बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्होंने विद्युत विभाग के कार्यालय से सम्पर्क किया तथा योजना का लाभ लेने आवेदन दिया और एक माह में ही उनका सौर पैनल लग गया। वे बताते हैं कि उन्होंने तीन किलोवॉट का पैनल लगवाया है, इससे अब बिलकुल बिजली बिल नहीं पटाना पढ़ रहा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना सौर पैनलों के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए ऊर्जा उत्पन्न करने पर जोर देती है। इससे न केवल बिजली की कमी को दूर किया जा सकेगा, बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सस्ती बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इस योजना के तहत सौर पैनल इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। योजना का एक अन्य लाभ है कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पहुंच बढ़ाने में मदद करेगी, जिससे वहां की जीवनशैली में सुधार होगा। सौर ऊर्जा का उपयोग न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी फायदेमंद है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। इससे न केवल उपभोक्ता के घर का बिजली बिल शून्य हो जाता है, बल्कि ग्रिड में दी गई बिजली के एवज में अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है। शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत 30 हजार रूपए से 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी प्रति प्लांट दिए जाने का प्रावधान है। रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार लागत राशि एवं सब्सिडी अलग-अलग है। उपभोक्ता द्वारा सोलर प्लांट के ब्रांड चयन कर सकते हैं। 3 किलोवाट से अधिक क्षमता का प्लांट लगाने पर अधिकतम 78 हजार रूपए तक सब्सिडी का प्रावधान है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट pmsuryaghar.gov.in या pmsuryaghar मोबाईल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा। निर्धारित अनुबंध हस्ताक्षरित होने के पश्चात वेंडर द्वारा छत पर प्लांट की स्थापना एवं डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर स्थापित किया जाता है। स्थापित प्लांट के सत्यापन पश्चात शासन द्वारा सब्सिडी ऑनलाईन जारी कर दी जाती है। इस दौरान यदि उपभोक्ता इच्छुक हो तो शेष राशि का प्रकरण सात प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण हेतु बैंकों को जनसमर्थन पोर्टल द्वारा ऑनलाईन प्रेषित किया जाता है।

पुलिस पर हमला करने वाले आरोपी तत्काल गिरफ्तार, पुलिस अधीक्षक बालोद के निर्देशन पर थाना देवरी बालोद पुलिस की सख्त कार्यवाही

जे0सी0बी0 वाहन घर में घुसने को लेकर घर वाले द्वारा जेसीबी चालक के साथ किए थे मारपीट।

मामले को नियंत्रित करने सहायता मे पहुंची पिनकापार पुलिस पर ही आरोपियों द्वारा किया गया था हमला।

भानुप्रताप साहू

बालोद। मामला पुलिस चौकी पिनकापार थाना देवरी क्षेत्र का है। दिनांक 25.06.2025 के रात्रि करीबन 09:15 बजे पिनकापार के एक घर में जे0सी0बी0 चालक द्वारा गाडी के सामने अचानक मवेशी आ जाने पर मवेशी को बचाने के प्रयास में जितेन्द्र कुमार सतनामी के घर जेसीबी घुस गया। जिससे घर का दीवाल क्षतिग्रस्त होने पर घर वालों के द्वारा जेसीबी चालक के साथ मारपीट शुरू कर दिया, उक्त घटना की सूचना पाकर पुलिस चौकी पिनकापार प्रभारी सउनि अजित महोबिया द्वारा चौकी स्टाफ के साथ मामले को नियंत्रित करने सहायता हेतु तत्काल घटना स्थल में पहुंचे थे जहां लोगों की भीड़ जमा हो गयी थी। घटना स्थल पर जितेन्द्र एवं धनेश सतनामी निवासी पिनकापार द्वारा जेसीबी चालक की पीटाई कर रहे थे, पिंकापार पुलिस द्वारा अपने कर्त्तव्य के अनुरूप दायित्व निभाते हुए मामले को कंट्रोल करने जेसीबी चालक को वाहन में बैठाकर चौकी पिनकापार लाने का प्रयास कर रहे थे। इतने में दोनों आरोपीगण द्वारा जेसीबी चालक को और मारेंगे कहकर पिंकापार पुलिस के साथ ही वाद विवाद पर उतर आए, चौकी प्रभारी द्वारा समझाइश देने पर भी दोनों आरोपी नहीं माने उल्टा पुलिस को ही गाली गलौच करते हुए पुलिस पर ही हमला कर दिए। उक्त घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई जिसपर पुलिस अधीक्षक महोदय बालोद श्री योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर के पर्यवेक्षण एवं एसडीओपी श्री देवांश सिंह राठौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देवरी दिनेश कुमार कुर्रे द्वारा दलबल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर जमा हुए भीड़ को पहले नियंत्रित कर मामला शांत कराया गया तदुपरांत पुलिस अधिकारी पर जानबूझकर आपराधिक बल का प्रयोग करने वाले हमलावर आरोपियों को शासकीय कार्य में बाधा डालकर मारपीट करने के मामले में थाना देवरी में अपराध क्रमांक 89/25 कायम कर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

आरोपीगण- 01 जितेन्द्र कुमार सतनामी पिता स्व अकल राम सतनामी उम्र 38 वर्ष

02. धनेश कुमार सतनामी पिता स्व अंकल राम सतनामी उम्र 35 वर्ष दोनों निवासी ग्राम पिनकापार।

छग के रेलवे स्टेशनों को नागपुर मंडल से हटाकर रायपुर मंडल में जोड़ने की उठी मांग, विवेक मोनू भंडारी ने बताया जनहित का मुद्दा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले छत्तीसगढ़ के कई सीमावर्ती रेलवे स्टेशन वर्तमान में नागपुर मंडल में शामिल हैं, जबकि उनका भौगोलिक और प्रशासनिक संबंध छत्तीसगढ़ राज्य से है। इस विसंगति को लेकर भाजपा नेता विवेक मोनू भंडारी ने केंद्र सरकार और रेलवे मंत्रालय से मांग की है कि इन स्टेशनों को नागपुर मंडल से हटाकर रायपुर मंडल में जोड़ा जाए।

विवेक मोनू भंडारी ने कहा कि राजनांदगांवए डोंगरगढ़, बोरतलाव, जटकन्हार, मुसरा, बाकल जैसे स्टेशन छत्तीसगढ़ की सीमा में स्थित हैं, लेकिन नागपुर रेल मंडल (महाराष्ट्र) के अंतर्गत आते हैं। इससे आम यात्रियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय प्रशासन को समन्वय में कठिनाई आती है, वहीं क्षेत्रीय विकास में भी बाधा उत्पन्न होती है।

भौगोलिक दृष्टि से छत्तीसगढ़ में स्थित स्टेशनों को जब नागपुर मंडल से हटाकर रायपुर में जोड़ा जाएगा, तब रेलवे, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल बेहतर होगा। निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और पारदर्शिता आएगी।

नागपुर की जगह रायपुर से सेवाएं मिलने पर टिकटिंग, शिकायत, समय-सारणी और अन्य समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही समाधान मिल सकेगा, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी।

रायपुर मंडल से जुड़ने पर रेल सुविधाओं की निगरानी और बजट की मांग अधिक प्रभावी होगी। इससे राजनांदगांव व आसपास के क्षेत्रों में रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास संभव होगा।

टिकट बुकिंग, खानपान, सफाईए ट्रैक मरम्मत जैसे कार्यों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी। इससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा।

रायपुर मंडल के अधिकारी छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति और स्थानीय जरूरतों से परिचित होते हैं, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा।

डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी शक्तिपीठ और जैन आचार्य विद्यासागर महाराज की समाधि स्थल में देशभर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। हर साल नवरात्रि में दो बार नौ-नौ दिन के मेले लगते हैं, जिससे रेलवे को विशाल राजस्व प्राप्त होता है। परंतु इसका लाभ छत्तीसगढ़ को नहीं मिलता। रायपुर मंडल में आने से पर्यटन विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी।

विवेक मोनू भंडारी ने कहा कि यह सिर्फ प्रशासकीय या तकनीकी विषय नहीं है, बल्कि आम जनता के हितों से जुड़ा निर्णय है। हम उम्मीद करते हैं कि रेल मंत्रालय राज्य की भावना, भौगोलिक यथार्थ और यात्रियों की जरूरतों को समझेगा और इस दिशा में त्वरित निर्णय लेकर छत्तीसगढ़ के इन स्टेशनों को रायपुर मंडल में शामिल करेगा।

उन्होंने स्थानीय सांसदों, विधायकों, निगम और पंचायत पदाधिकारियों से भी अपील की कि वे इस मांग को मजबूती से उठाएं, ताकि जल्द ही सकारात्मक निर्णय लिया जा सके और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्रों में रेलवे सेवाओं का समुचित विकास हो सके।

विश्व नशामुक्ति दिवस पर नशामुक्ति केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

राजनांदगांव। विश्व नशामुक्ति दिवस के अवसर पर गुरूवार को एकीकृत पुनर्वास केंद्र (नशामुक्ति केंद्र), राजनांदगांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें केंद्र में उपचाररत पुराने मरीजों ने भी भाग लिया। इसके बाद मुख्य अतिथियों का पारंपरिक तरीके से पुष्प-गुच्छ एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. योगेश कन्नौजे उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में संस्था अध्यक्ष शिशुपाल खोब्रागढ़े और वरिष्ठ स्टाफ सदस्य नागेश मुंजारे की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान केंद्र के समन्वयक अरविंद मेरावी ने पुनर्वास केंद्र की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्था का प्रयास केवल उपचार नहीं, बल्कि पूर्ण जीवन पुनर्निर्माण है।

कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे उन्होंने नशे की गिरफ्त से बाहर निकलकर जीवन की नई राह पकड़ी। वक्ताओं ने नशा मुक्ति के लिए चिकित्सा परामर्श, वैज्ञानिक उपायों और आत्म.संकल्प को जरूरी बताया।

अपने संबोधन में डॉ. कन्नौजे ने कहा, नशा चाहे किसी भी प्रकार का हो-शराब, तम्बाकू, गांजा या अन्य मादक पदार्थ-यह शरीर, मन और आत्मा को खोखला कर देता है। इससे न केवल व्यक्ति, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र भी प्रभावित होता है। इससे बचाव के लिए जन-जागरूकता और चिकित्सा सहयोग अनिवार्य है।

संस्था अध्यक्ष शिशुपाल खोब्रागढ़े ने समाज में बढ़ते नशे के प्रकोप पर चिंता जताते हुए कहा, नशा धीरे-धीरे शरीर को खोखला और आत्मा को अंधकार में ले जाने वाला धीमा जहर है। जिस युवा पीढ़ी को देश की नींव बनना था, वह नशे की गिरफ्त में है। इसे रोकने के लिए हर वर्ग को एकजुट होकर काम करना होगा।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए केंद्र प्रबंधक अरविंद मेरावी एवं उनकी टीम को सराहना मिली। अंत में उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से नशा न करने और दूसरों को भी इससे दूर रखने का संकल्प लिया।

इस प्रेरणादायी आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना और समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास को बल देना रहा।

वन विभाग की पुनर जांच में बड़ा खुलासा,, जांच में वन विभाग की जमीन आया सामने

सारँगढ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- सारंगढ़ वन विभाग की काली करतूत उजागर खबर का बड़ा असर 6 महीने बाद आधे एकड़ से अधिक जमीन निकला वन विभाग और शासकीय ,मामले को दबाने वन विभाग ने खेला शतरंज का खेल लेकिन सत्य को मात नहीं दे पाई वन विभाग और फंस गई अपने ही जाल में और 6 महीने बाद पुन: जांच में आया वन विभाग की अधिकारियों का असली चेहरा दरअसल मामला 6 महीने पीछे का है ग्राम हट्टापाली में किसान योगेश पटेल ने मदन नायक की जेसीबी और ट्रैक्टर से अपनी निजी भूमि के साथ वन विभाग और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर रहे थे जिस पर वन विभाग ने पहले दबिश देकर जेसीबी ट्रैक्टर जप्त कर लगभग 3 महीने तक रखा और फिर उसे मुआवजा लेकर गाड़ी छोड़ दिया गया था मामला धीरे से मिडिया तक आई खबर चला फिर से आज जांच हुआ तो वन विभाग की 11 डिसमिल भूमि ,और 42 डिसमिल शासकीय ऑरेंज एरिया जांच में अतरिक्त पाया गया

जांच की सत्यता को मीडिया से आखिर क्यों छुपाया गया ! : आपको बता दें इस संबंध में एसडीओ अमिता गुप्ता ने पहले जानकारी दिया गया था उसमें उन्होंने कहा कि वन विभाग जरूर पकड़ा था लेकिन राजस्व एरिया होने की वजह से राजस्व विभाग मामले को भेज दिया गया था लेकिन आज जांच में वन विभाग का 11 डिसमिल जमीन निकला और इतना ही नहीं शासकीय ऑरेंज एरिया 42 डिसमिल भूमि निकला और पहले एसडीओ अमिता गुप्ता मीडिया को अपनी बयान में कहा कि कोई मोनारा नहीं तोड़ा गया और कोई ष्श्व2 नहीं तोड़ा गया लेकीन आज जांच हुआ

तो ष्श्व2 8 मीटर तक तोड़कर खेत बनाया गया अब सवाल यही है कि ष्श्व2 तोड़ा गया लेकिन एसडीओ कहते कोई ष्श्व2 नहीं टूटा आखिर क्यों छुपाया गया !

एसडीओ वन विभाग का जज होता है जिनकी कंधों पर जंगल को बचाने और जो जंगल को नुकसान पहुंचाता हैं उसे कड़ी सजा देने का काम करता है ताकि कोई जंगल से खिलवाड़ न करे लेकिन यहां तो एसडीओ ही मामले को दबाया और सीधा रफ्फदफ कर दिया गया अगर किसी विभाग का जज ऐसा करतूत करने लगे तो उस विभाग का क्या होगा यह सबसे बड़ा सावल है इतना ही नहीं मामला 6 महीने पीछे का है लेकिन न तो वन विभाग ने अपनी 11 डिसमिल जमीन को सुरक्षित किया और ना ही 42 डिसमिल भूमि ऑरेंज एरिया को न तो वन विभाग ने और ना ही राजस्व विभाग ने सुरक्षित किया बल्कि कार्यवाही के नाम पर लीपा पोती कर गाड़ी छोड़ा दिया गया और कब्जाधारी योगेश पटेल को जमीन मानो दान में दे दिया जहां आज की जांच करने पर उसमें खेती करना पाया गया अगर मामला उजागर नहीं होता तो आज भी 53 डिस्मिल वन विभाग और शासकीय ऑरेंज एरिया की जमीन कब्जाधारी के पास ही रहता सूत्र बता रहे इस मामले में मोटा चढ़ावा चढ़ाया गया था अधिकारी को जिसकी वजह से गाड़ी छोड़ा और जमीन कब्जाधारी को दे दिया गया इतना ही नहीं 35 पेड़ भी काटे गए लेकिन आज तक 6 महीना बीत गया न तो लकड़ी डिपो पहुंचा

फ्लिहाल अब देखना होगा दुबारा जांच हुआ है अब वन विभाग क्या कुछ कार्यवाही करती है ये भी देखने वाली बात है क्या इस बार भी मामला को ठंडा बस्ते में डाला जाएगा या फिर होगा कड़ी कार्यवाही।

पॉक्सो एवं बलात्कार मामलें के आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड से किया गया दण्डित

गरियाबंद (समय दर्शन)। फस्ट ट्रेक विशेष न्यायालय (पॉक्सो एवं बलात्कार मामलें),गरियाबंद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर ने नाबालिग बालिका को शादी का लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी रामनारायण महंत उर्फ रामू पिता पूरन लाल महंत उम्र लगभग 27 वर्षीय ग्राम जामगांव निवासी थाना फिंगेश्वर को 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया।

मामले के संबंध में शासन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक एच. एन.त्रिवेदी ने बताया कि नाबालिग बालिका/पीड़िता ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया था,कि उसके माँ-पिता कमाने-खाने के लिए बाहर रहते हैं,बीच-बीच में मिलने आते हैं,वह अपने छोटे भाई-बहन के साथ गाँव में अपने दादी के पास रहती हैं। आरोपी रामनारायण महंत उसके घर आता-जाता रहता था कि पिछले वर्ष होली के दिन आरोपी ने पीड़िता को प्यार करता हूॅ शादी कर पत्नी बनाकर रखूँगा कहने पर पीड़िता ने उसे अभी छोटी हूॅ कहकर मना कर दी।उसके कुछ दिनों बाद आरोपी ने बहला फुसला कर पीड़िता को नाबालिग जानते हुए भी उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और घटना को किसी को मत बताना कहकर मारने की धमकी भी दिया था। घटना के संबंध में पीड़िता द्वारा अपने माँ-पिता को बताने व रिपोर्ट लिखाये जाने पर थाना फिंगेश्वर द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध धारा 366, 376 (2) (ढ) भादंवि. एवं धारा 04 व 06 पॉक्सो एक्ट के तहत् न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था।

फास्ट ट्रेक विशेष न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर द्वारा प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्य,तथ्य एवं अपराध की गंभीरता पर विचार कर नाबालिग पीडिता को शादी का झांसा देकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म कर मारने की धमकी दिये देने वाले आरोपी रामनारायण महंत उर्फ रामू को दोषसिद्ध पाते हुए पॉक्सो एक्ट की धारा 06 के तहत् 20 वर्ष (बीस वर्ष) का सश्रम कारावास एवं 5,000रू.(पाँच हजार रूपयें) के अर्थदण्ड भादंवि की धारा 366 के तहत् 5वर्ष (पॉच वर्ष) का सश्रम कारावास एवं 2000रू. का अर्थदण्ड व धारा 506 भाग दो के तहत् 2वर्ष (दो वर्ष) का सश्रम कारावास एवं 1000रू.के अर्थदण्ड से दंडित किया गया हैं।न्यायाधीश द्वारा पारित निर्णय में नाबालिग बालिका,पीड़िता के साथ हुई उक्त घटना से होने वाले शारीरिक व मानसिक पीड़ा तथा उसके जीवन व मनोदशा पर पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियो पर विचार कर नाबालिग पीड़िता को प्रतिकर स्वरूप 4,00,000रू. (चार लाख रूपयें) दिलाये जाने का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायपुर को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए प्रतिकर प्रदाय किये जाने के लिए निर्देशित किया गया हैं।

खबर-खास

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया

कवर्धा (समय दर्शन)। वार्ड नम्बर 10 में महान शिक्षा विद, चिंतक भारतीय जनसंघ के सस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट के मुख्य अतिथि में मनाया गया। इस अवसर पर उन्होने डॉ. मुखर्जी के तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावपूर्ण नमन किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी कवर्धा, रामानुज यादव वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता, बिहारी राम धुर्वे सभापति नगर पालिका परिषद कवर्धा, दीपक सिंहा पार्षद वार्ड 9, पन्ना चंद्रवंशी, डॉ. कोमल जायसवाल बूथ अध्यक्ष वार्ड नं. 10, कौशल धुर्वे बूथ अध्यक्ष वार्ड नं. 9 ईश्वरी धुर्वे प्रदेश कार्यसमिति भाजयुमो, शीतल पाण्डेय प्रभारी वार्ड नं. 10, राकेश सिंहा, राकेश कुमार साहू सहित वार्ड के वरिष्ठ महिलाएं एवं युवा साथी उपस्थित रहें।

9 जुलाई को न्यूयॉर्क में सैमसंग पेश करेगा अपने नए फोल्डेबल स्मार्टफोन

गुरुग्रामः सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स पिछले कई वर्षों से अपने डिवाइस इस सोच के साथ डिज़ाइन करता आया है कि लोगों को असल में क्या चाहिए — बेहतर परफॉर्मेंस, बेहतरीन कैमरा और स्मार्ट कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं उसी सोच का हिस्सा हैं। अब गैलेक्सीफ एआई के साथ सैमसंग इससे आगे बढ़ते हुए यह देख रहा है कि लोग अपने डिवाइस के साथ कैसे जुड़ते हैं और उनका इस्तेमाल कैसे करते हैं। जैसे-जैसे एआई तेजी से हमारा नया यूज़र इंटरफेस बन रहा है, यह टेक्नोलॉजी के साथ हमारे रिश्ते को भी नए तरीके से परिभाषित कर रहा है। स्मार्टफोन अब सिर्फऐप्स और टूल्स का ज़रिया नहीं, बल्कि एक स्मार्ट साथी बनता जा रहा है जो यूज़र के इरादे को समझकर तुरंत प्रतिक्रिया देता है। यह बदलाव हमें प्रतिक्रिया से आगे बढ़ाकर उस स्थिति में ला रहा है जहां एआई के ज़रिए इरादा तुरंत एक्शन में बदल जाता है। नई पीढ़ी के गैलेक्सीई डिवाइस अब एक नए एआई-पावर्ड इंटरफेस को ध्यान में रखते हुए फिर से डिज़ाइन किए जा रहे हैं और इन्हें ऐसे अत्याधुनिक हार्डवेयर का साथ मिलेगा जो इनकी पूरी क्षमता को सामने लाएंगे। यह भविष्य अब आकार ले रहा है। 9 जुलाई को, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में 'गैलेक्सीअ अनपैक ?ड' का आयोजन करेगा, जहां वह अपने नए फोल्डेबल फोन लॉन्च करेगा।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने 24×7 कस्टमर सपोर्ट हेल्पलाइन शुरू की, कस्टमर्स को बेहतरीन और भरोसेमंद

बेंगलुरुः भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर लोग अक्सर इसलिए हिचकिचाते हैं क्योंकि उन्हें सर्विस और सपोर्ट मिलने में दिक्कत होती है। इसी परेशानी को दूर करने के लिए ओबेन इलेक्ट्रिक, जो एक रिसर्च और डेवलपमेंट बेस्ड इलेक्ट्रिक बाइक कंपनी है, अपने कस्टमर्स को बेहतर सुविधा देने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा चुकी है। कंपनी ने अब 24×7 कस्टमर सपोर्ट हेल्पलाइन शुरू की है, ताकि EV मालिकों को किसी भी समय तुरंत मदद मिल सके। इस पहल के जरिए ओबेन इलेक्ट्रिक यह दिखा रहा है कि वह ईमानदार, भरोसेमंद और पर्सनलाइज्ड आफ्टर-सेल्स सर्विस देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस हेल्पलाइन से कस्टमर्स को किसी भी समय उनकी प्रॉब्लम का समाधान मिलेगा और वह भी समझदार और एक्सपीरियंस रखने वाले एक्सपर्ट्स की मदद से। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कस्टमर्स को हमेशा एक जैसा, अच्छा और भरोसेमंद सपोर्ट मिलता रहे, जिससे उनका भरोसा और संतुष्टि बनी रहे। पिछले तीन महीनों में ओबेन ने 90% से ज्यादा सर्विस केस 72 घंटे के अंदर ही ठीक कर दिए हैं। इससे पता चलता है कि कंपनी बहुत तेजी से काम करती है और अपने कस्टमर्स का समय बर्बाद नहीं होने देती। इस बेहतरीन सर्विस का सबसे बड़ा कारण है ओबेन इलेक्ट्रिक की डीप वर्टिकल इंटीग्रेशन यानी ज्यादातर जरूरी पुर्ज़ों का खुद ही निर्माण करना। कंपनी अपनी हाई-परफॉर्मेंस लिथियम आयरन फॉस्फेट (LFP) बैटरी, मोटर, व्हीकल कंट्रोल यूनिट (VCU) और चार्जर को खुद डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है। इससे ओबेन को क्वालिटी, डाइग्नोस्टिक्स और रिपेयर टाइम पर पूरा कंट्रोल रहता है, जिससे समस्याएं जल्दी हल होती हैं और कस्टमर्स को पारदर्शी और भरोसेमंद सर्विस मिलती है। साथ ही, कंपनी की कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी राइडर्स को निश्चित और बेफिक्र सवारी का भरोसा देती है।

झांकियाँ,भक्ति और संस्कृति के साथ निकली भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा

गरियाबंद (समय दर्शन)। को नगर में श्रीजगन्नाथ परिवार युवा बल के द्वारा धूमधाम से रथयात्रा का पर्व हर्षोल्लास व धूमधाऊ के साथ मनाया गया।गत तीन माह से श्रीजगन्नाथ परिवार युवा बल के सदस्यों द्वारा इस आयोजन की तैयारी किया जा रहा था।जो शुक्रवार के दोपहर से भगवान जगन्नाथ की यात्रा नगर के रामजानकी मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के बस स्टैंड तिरंगा चौक बाजार मार्ग सुभाष चौक बजरंग चौक,शिव मंदिर होते हुए नगर भ्रमण किए,इस दौरान विभिन्न चौक चौराहों में भगवान की पालकी और उनके साथ चल रही टोली का फूलों से स्वागत किया गया। धर्म-संस्कृति और श्रद्धाभाव से ओतप्रोत इस यात्रा में शामिल होने नजदीक ग्राम के हजारों भक्त इस यात्रा में शामिल हुए जो न केवल एक धार्मिक आयोजन रहा,बल्कि नगर की आस्था,परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रदर्शन प्रस्तुत कर नगर की शोभा बढ़ाए।साढ़ौली आमंदी ग्राम में परंपरागत काष्ठ और बांस से निर्मित भव्य रथ तैयार किया गया है,जो भगवान के गमन का वाहन बना।रथ की कारीगरी, सजावट और कलात्मकता,श्रद्धा की ऊँचाइयों को छूती दिखलाई दिया।इस दौरान सजीव धार्मिक झाँकियाँ,छ्छ्छ व भक्ति संगीत से सजी ध्वनि व्यवस्था, लोकनृत्य,छत्तीसगढ़ी संस्कृति और रंग-बिरंगे सांस्कृतिक दल,विशेष लाइटिंग, फूलों से सजे वाहन लोगो को लुभाती रही।इस आयोजन की भव्यता को लेकर जिला प्रशासन पुलिस विभाग ने भी पूर्व से ही तैयारिया बना रखे थे जिसमें ट्रैफिक रूट डायवर्जन,हर चौक चौराहे पर पुलिस की तैनाती रखे जिसके चलते ये रथयात्रा शांति पूर्वक देर रात तक नगर में भ्रमण किए।

गरियाबंद प्रवास पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,कांग्रेस को मिली बड़ी मजबूती,पार्षद निरंजन प्रधान कांग्रेस में हुए शामिल

गरियाबंद (समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल आज एक दिवसीय प्रवास पर गरियाबंद पहुंचे।उनके गरियाबंद पहुंचते ही कार्यकर्ताओं और नेताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री ने सबसे पहले स्थानीय सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से भेंट-मुलाकात की और वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा की।इस दौरान कांग्रेस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी। कांग्रेस कमेटी के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष आबिद ढेबर के नेतृत्व में नगर पालिका वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद निरंजन प्रधान ने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन्हें पार्टी की सदस्?यता दिलाते हुए गमछा पहनाकर स्वागत किया और उन्हें कांग्रेस परिवार में शामिल होने पर शुभकामनाएं दीं।वही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि निरंजन प्रधान जैसे युवा,जमीन से जुड़े हुए जनप्रतिनिधि का कांग्रेस में शामिल होना यह दर्शाता है कि लोग कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा की ओर फिर से भरोसा जता रहे हैं। निरंजन जी का कांग्रेस में आना संगठन के लिए ऊर्जा का काम करेगा और आने वाले चुनावों में इसका असर साफ़ दिखेगा। मैं उन्हें दिल से स्वागत करता हूं और भरोसा दिलाता हूं कि पार्टी में उन्हें पूरा सम्मान और जिम्मेदारी दी जाएगी। नवशामिल पार्षद निरंजन प्रधान ने कहा कि क्षेत्र की जनता के लिए काम करना मेरा प्राथमिक उद्देश्य है, लेकिन वर्तमान में वह उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा था। कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। भूपेश बघेल जी की नेतृत्व शैली और जमीनी जुड़ाव ने मुझे प्रभावित किया, और मैंने बिना किसी दबाव के कांग्रेस से जुड़ने का निर्णय लिया है।सर्किट हाउस में जुटे कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए उन्हें गर्मजोशी से स्वागत किया।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के गरियाबंद दौरे को जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती का संकेत माना,वहीं निरंजन प्रधान जैसे प्रभावशाली पार्षद का कांग्रेस में शामिल होना आगामी चुनावों में नया समीकरण गढ़ सकता है।इस दौरान विधायक जनक ध्रुव युगल पांडे सन्नी मेमन केशु सिन्हा गेंद लाल सिन्हा छगन यादव मनीष धुर्व अमित मिरी अवनीश तिवारी जाफ़र ख़ान अनीस मेमन सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पुलिस की नौकरी दिलाने के नाम पर तीन लाख की ठगी करने का फर्जी दलाल गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक फर्जी दलाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर एक बड़े जालसाजी मामले का पर्दाफाश किया है। ग्राम शीतल पानी निवासी आरोपी परदेशी टेकाम पिता प्रताप सिंह टेकाम ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर सहायक आरक्षक अथवा एसआई पद पर भर्ती कराने का झांसा देता था और लोगों से लाखों रुपए ले लेता था। आरोपी ने ग्राम घोठिया निवासी राम बघेल से तीन लाख तीन हजार 600 रुपए की ठगी की। इसमें से एक लाख तिरासी हजार छह सौ रुपए खातों के माध्यम से तथा शेष नगद राशि कवर्धा के सिग्नल चौक स्थित एक लॉज के पास आरोपी को दी गई, जिसकी पुष्टि दो गवाहों ने की गई है।

पुलिस ने बताया कि जब पीड़ित ने राशि वापसी या नियुक्ति की मांग की, तो आरोपी लगातार टालमटोल करते रहा। अंततः मामला थाना कोतवाली में रिपोर्ट की गई। जिस पर पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह भापुसे के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल और पंकज पटेल के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक कृष्णा चंद्राकर के पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली में तत्काल अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी द्वारा अन्य लोगों से भी इसी प्रकार की ठगी करने का संकेत मिला है। मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की सरकारी नौकरी, ट्रांसफर या टेंडर दिलाने के नाम पर यदि कोई व्यक्ति आपसे धन की मांग करता है, तो तुरंत नजदीकी थाना या कंट्रोल रूम को सूचित करें और किसी के बहकावे में आकर अपनी ईमानदारी की कमाई को लूटने से बचाएं।

सुरक्षित राइडिंग का संदेश फैलाते हुए होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया पहुंचा अंबिकापुर

अंबिकापुरः रोड सेफ्टी और अवेयरनेस को बढ़ावा देने की अपनी पहल को आगे बढ़ाते हुए होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ में एक रोड सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया। बच्चों में छोटी उम्र से ही सुरक्षित सड़क व्यवहार की समझ विकसित करने के मकसद से शुरू की गई इस पहल में राजकीय राजमोहिनी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज, लिली पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट और आर.एस.डी.के.एस. राजकीय मेडिकल कॉलेज के 2000 से ज्यादा स्टूडेंट्स और स्टाफमेंबर्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कैंपेन में छात्रों को मज़ेदार और इंटरएक्टिव सेशन्स के ज़रिए सड़क सुरक्षा की जरूरी जानकारी दी गई। इन सेशन्स को इस तरह से डिजाइन किया गया कि वे न सिर्फ इन्फॉर्मेटिव हों, बल्कि स्टूडेंट्स को एक्टिवली इंगेज करें। सभी प्रतिभागियों को हेलमेट पहनने की अहमियत, ट्रैफिक रूल्स फॉलो करना और रोड पर डिसिप्लिन में रहने जैसी बेसिक लेकिन ज़रूरी बातों से रूबरू कराया गया। अंबिकापुर में यह अभियान HMSI की छत्तीसगढ़ में बढ़ती मौजूदगी को दिखाता है, जहां कंपनी लगातार एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के साथ मिलकर ग्रासरूट लेवल पर रोड सेफ्टी कल्चर को मजबूत कर रही है। यह प्रयास HMSI की उस बड़ी सोच का हिस्सा है, जिसका मकसद है सभी उम्र के लोगों को ट्रैफिक अवेयरनेस और सेफकम्प्यूटिंग के लिए तैयार करना। ।रूस्ड्ढ की रोड सेफ्टी इनिशिएटिव्स अब तक देशभर में लाखों लोगों तक पहुंच चुकी हैं, जिनमें स्कूल- कॉलेज, ट्रैफिक डिपार्टमेंट्स और अलग-अलग कम्युनिटीज के साथ मिलकर किए गए ऑन-ग्राउंड प्रोग्राम्स शामिल हैं। कंपनी का मकसद है लोगों को एजुकेट, इंगेज और एम्पावर करके सड़कों को और ज़्यादा सेफ बनाना।

हाथ भट्टी महुआ शराब की अवैध रूप से बिक्री पर रोक लगाने आबकारी टीम की बड़ी कार्यवाही, 20.500 बल्क लीटर अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब बरामद

गरियाबंद। अवैध महुआ शराब पर प्रतिबन्ध लगाने आबकारी आयुक्त प्रबंध संचालक श्याम धावड़े तथा कलेक्टर बी.एस.उइके के निर्देश पर उपायुक्त आबकारी अनिमेष नेताम से प्राप्त निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी मुकेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में गरियाबंद जिले की आबकारी टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही व सघन गश्त के दौरान थाना मैनपुर अंतर्गत ग्राम मोंहदा (धवलपुर) के आरोपी किर्तन कुमार कमलेश के कब्जे से कुल 20.500 बल्क लीटर अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब जप्त कर आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा क्रमशः 34 (2), 34(1) ख एवं 59 (क) के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में लिया गया।उक्त कार्यवाही में आबकारी वृत्त गरियाबंद आबकारी उपनिरीक्षक नागेशराज श्रीवास्तव,आबकारी उप निरीक्षक कन्हैयालाल कुर्रे एवं आबकारी आरक्षक पीताम्बर चौधरी वाहन चालक शैलेन्द्र कश्यप साथ ही नगर सैनिक संजय नेताम मनीष कश्यप एवं महिला सैनिक कामिनी सोनी तथा वाहन चालक गोवर्धन सिन्हा का योगदान रहा।

भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती : पीजी कॉलेज और पॉलीटेक्निक में आयोजित की गई कार्यशाला

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी। / जिला प्रशासन और जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र धमतरी एवं विंग कमांडर, कमांडिंग ऑफिसर एयर फोर्स भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से 25 जून को बी.सी.एस. शासकीय पीजी कॉलेज धमतरी में और भोपाल राव पवार पॉलीटेक्निक कॉलेज, रूद्री में अग्निपथ योजना के तहत् अग्निवीर वायु सेना भर्ती प्रक्रिया के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। पीजी कॉलेज में सुबह 11 बजे और पॉलीटेक्निक में दोपहर 3 बजे से आयोजित इन कार्यशालाओं में जूनियर वारट ऑफिसर श्री सुशांत सिंग एवं सार्जेंट 15 एयरमेन सेंटर भोपाल श्री डी. एस. राणा द्वारा अग्निवीर वायुसेना भर्ती की विस्तृत जानकारी आवेदकों को दी गई।

उन्होंने बताया कि अग्निवीर वायुसेना की भर्ती विज्ञापन या ओपन रैली के माध्यम से होता है। जिसमें शैक्षणिक योग्यता. आयु, वेतनमान, भत्ता एवं अन्य सुविधओं के बारे में बताया गया। यह भी बताया गया कि अग्निवीर वायुसेना के लिए चार वर्ष की सेवा पश्चात् उत्कृष्ट 25 प्रतिशत आवेदकों को वायुसेना में नियमित किया जाता है। चयन प्रक्रिया के तीन चरणों में प्रथम ऑनलाईन लिखित परीक्षा, द्वितीय शारीरिक दक्षता परीक्षा अनुकूलन परीक्षा एवं अंतिम चरणों में चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। चयन के बाद 6 माह का प्रशिक्षण तथा सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। ऑफिसर्स ने बताया कि 4 वर्ष की सेवा के बाद केन्द्र एवं राज्य शासन के विभिन्न विभागों में भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलता है। कार्यशाला में बी.सी.एस. शासकीय पी.जी कॉलेज धमतरी में 60 छात्र-छात्राओं और भोपाल राव पवार शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, रुद्री में 80 छात्र एवं छात्राओं ने हिस्सा लिया। वायुसेना वक्ताओं ने प्रश्नावली के माध्यम से दोनों ही संस्थाओं में प्रतिभागियों के शंकाओं का समाधान किया। कार्यशाला में वायुसेना अधिकारियों के साथ उप संचालक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार केन्द्र धमतरी श्रीमती पुष्पा चौधरी, बीसीएस शासकीय पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 विनोद कुमार पाठक एवं भोपाल राव पवार पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य श्री जे.आर साहू उपस्थित रहे।

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग
जिला पंचायत के सामने, जी.ई. रोड, दुर्ग

// निविदा आमंत्रण //

जिला शिक्षा अधिकारी जिला-दुर्ग (छ.ग.) की ओर से निर्माताओं व उनके अधिकृत विक्रेताओं से उक्त शासकीय नागरिक कल्याण महाविद्यालय नंदनीनगर अहिवारा जिला-दुर्ग में विद्यार्थियों के समुचित विकास हेतु विभिन्न सामग्री क्रय कर स्थापना कार्य हेतु मोहर बंद निविदाएँ आमंत्रित किया जा रहा है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य शर्तों की जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी जिला-दुर्ग (छ.ग.) के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर (जी.एस.टी.प्रति सहित) राशि 1000/- (एक हजार रूपये) नगद भूगतान कर दिनांक 29/06/2025 से / कार्यालीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा क्रय की अंतिम तिथि	28/07/2025 समय दोपहर 1:00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	28/07/2025 समय दोपहर 2:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	28/07/2025 समय दोपहर 4:00 बजे से

जी-252601733/3

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला-दुर्ग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGRPUR

विज्ञापन संख्या : R/06/2025 दिनांक 12 जून 2025

संस्थान निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित करता है।
(i) पेशेवर प्रशिक्षु (पुस्तकालय) - 8 पद

शैक्षिक योग्यता आयु एवं अद्यतन जानकारी के लिए http://www.iitkgp.ac.in/non-techning-positions पर जाएं।

ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि : 12-07-2025

कुलसचिव/ Registrar

CBC 21255/12/0009/2526

संक्षिप्त-खबर

पाटन ब्लॉक के ग्राम पंचायत बोरवाय के ग्रामीणों ने जामगांव आर थाना का घेराव किया, अवैध शराब बिक्री और असमाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पाटन (समय दर्शन)। सुबह सुबह ग्राम पंचायत बोरवाय के ग्रामीण बड़ी संख्या में जामगांव आर थाना पहुंचे। थाना परिसर में ही ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी किया। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस का संरक्षण में ही गांव में अवैध शराब बिक्री धड़ल्ले से हो रहा है। गांव में शराब के नशे में युवक शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे है। नल जल योजना का पाइप लाइन लगा था उसे भी तोड़ दिया है। पुलिस को ग्रामीणों द्वारा कई बार अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने की मांग कर चुके है। लेकिन पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। यही कारण है कि अवैध कारोबार करने वालो का हौसला बुलंद होता जा रहा है।

पुराना आवास का शेड निकालकर ढलाई कर दी, पीएम आवास के तहत ले लिया लाभ, जमकर भ्रष्टाचार हुआ, अब जिम्मेदार कह रहे शिकायत करेंगे, पाटन ब्लॉक के ग्राम औसर डीघारी का मामला

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत औसर (डीघारी) में ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार किए जाने का मामला गूंजा। यहां पुराने मकान की ढलाई और प्लास्टर को उखाड़कर नया प्लास्टर करने के बाद उसे प्रधानमंत्री योजना के तहत नए आवास का रूप दिया जा रहा है। ग्राम सभा में आवास मित्रों द्वारा जमकर लीपापोती कर लापरवाही बरतने का ग्रामीणों ने ऐतराज जताया। ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए कहा कि पुराने को नए कलेवर प्रदान कर सरकार की योजना की धज्जियां उड़ाई जा रही है। ग्राम पंचायत के जिम्मेदार लापरवाही करने वालों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों ने इस प्रकार की लापरवाही करने वालों पर ठोस कार्रवाई किए जाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार गांव मे आवास का पहला किस्त आया तो एक हितग्राही ने अपने पुराने मकान, जिसमे टीन शेड लगा हुआ था उसकी ढ़लाई करा दी और पुराने प्लास्टर को उखाड़कर कर उसे फिर से प्लास्टर करके नया दिखाया जा रहा है।

ग्राम सभा में आवास का मुद्दा उठा है। पुराने मकान पर ढलाई की जा रही है। इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी जाएगी। इस पर रोक नहीं लगाए तो सभी हितग्राही इस प्रकार आवास बनाने की बात करेंगे।

प्रियालता महिपाल सरपंच ग्राम पंचायत औसर

खाद के लिए किसानों का करना पड़ रहा है रतजगा, सुबह 3 बजे से सोसाइटी में लगाते है लाइन, रानी तराई समिति का मामला

बलराम यादव/ पाटन । विकास खण्ड पाटन के रानीतराई सोसाइटी में खाद के लिए मारामारी हो रही है । किसानों ने बताया कि खाद नहीं मिलने के कारण खाद लेने के लिए रात्रि 3:00 बजे से ऋण पुस्तिका लेकर लाइन में खड़े हुए हैं किसानों ने सरकार के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार आते ही किसानों को हमेशा परेशानी उठाना पड़ती है अपने खेती किसानी को छोड़ कर अब खाद लेने लाइन में लगना पड़ रहा है। शासन ने इस कृषि सत्र में देश में डी ए पी खाद आपूर्ति की समस्या होने की जानकारी देते हुये किसानों को इसके स्थान पर वैकल्पिक खाद उपयोग करने की सलाह देते हुये वैकल्पिक खाद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था लेकिन ऐन वक्त में किसानों को सोसायटियों से वैकल्पिक खाद नहीं मिल रहा व किसान खाद के लिये भटक रहे हैं । ग्राम डिडगा के किसान विष्णु वर्मा , असोगा से सुरेंद्र साहू, रामा साहू ने कहा है कि अविलंब खाद उपलब्ध न होने पर उत्पादन प्रभावित होगा ।

युक्तियुक्तकरण में गड़बड़ी , कार्यवाही ना होने पर 1 जुलाई से होगा प्रदर्शन

बालोद (समय दर्शन)। युक्तियुक्तकरण में ढेरों विसंगतियां और गड़बड़ियों से आक्रोशित शिक्षक साझा मंच के जिला संयोजक देवेन्द्र हरमुख ने बताया कि शिक्षक युक्तियुक्तकरण में प्रदेश भर से भारी गड़बड़ियों की शिकायते मिल रही है,अतिशेष शिक्षकों को न ही दावा आपत्ति का समय दिया गया और ना ही अभ्यावेदन का उचित निराकरण हो पाया है सभी विकासखंडों व जिलों में अपने चहेते शिक्षकों और कनिष्ठ शिक्षकों को बचाने का खेल विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा खेला गया, इससे शिक्षक आक्रोशित हैं और बड़ी संख्या में युक्तियुक्तकरण से प्रभावित

शिक्षकों ने कोर्ट में याचिका दायर की है। लगातार मिल रही शिक्षकों की शिकायतों को लेकर शिक्षक साझा मंच के प्रतिनिधियों ने शिक्षा सचिव एवं लोक शिक्षण संचालक से मुलाकात कर युक्तियुक्तकरण में हुई गड़बड़ी और विसंगतियों से उन्हें अवगत कराया गया था लेकिन आज पर्यंत तक सरकार की तरफ से सुधार हेतु किसी भी प्रकार का प्रयास नहीं किया गया। जबकि शिक्षक साझा मंच ने बार बार सबूत के साथ इन गड़बड़ियों को उजागर किया तथा युक्तियुक्तकरण को एक सिरे से खारिज करने की मांग भी की गई। जहाँ शासन द्वारा एक दो विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को निलंबित कर पल्ला झाड़ने का काम किया है।

जिला संचालक देवेन्द्र हरमुख ने बताया कि बार बार निवेदन करने के पश्चात भी शासन से कोई उचित जवाब व कार्यवाही ना होने से शिक्षकों में भारी आक्रोश व्याप्त है दोषी अधिकारियों पर उचित कार्यवाही तथा त्रुटियों का निराकरण 30 जून तक ना होने की दशा में 1 जुलाई को सभी ब्लाक मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा स्कूल सेटअप 2008 में परिवर्तन नहीं करने, पूर्व सेवा अवधि की गणना कर क्रमोन्नत वेतनमान का लाभ देने की मांग की गई। मांग करने वालों में जिला संचालक देवेन्द्र हरमुख के साथ साथ जिला उपाध्यक्ष एलेन्द्र यादव, जिला सचिव अश्विनी सिन्हा, जिला कोषाध्यक्ष दयाराम चुरेन्द्र, ब्लाक अध्यक्ष बालोद खिलानंद साहू,डौण्डी ब्लाक अध्यक्ष प्रहलाद कोसमार्य, लोहारा ब्लॉक अध्यक्ष अनिल दिल्लीवार, गुण्डरदेही ब्लाक अध्यक्ष छबिलाल साहू, गुरुर ब्लाक अध्यक्ष धनेश यादव, मीडिया प्रभारी हेमंत देशमुख, संदीप दुबे, दुलार सिंह कौशिक,उमेश साहू,मदन लाल साहू, नकुल एलेन्द्र,खेमंत साहू, संभव देवांगन, शिवकुमार चौरके आदि उपस्थित थे।

करणी कृपा मे निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताएं, जारी किए गए नोटिस

- करणी कृपा पावर कम्पनी में लगातार मिल रही शिकायत के बाद आखिरकार

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय संयुक्त जांच टीम द्वारा मेसर्स करणी कृपा पॉवर प्रा0लि0 ग्राम खैरझिटी महासमुंद का गहन जांच किया गया।

इस अवसर पर मनीष कुमार कुंजाम सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा बलौदाबाजार, डी0एन0 पात्र श्रम पदाधिकारी श्रम विभाग, सिद्धार्थ दुबे निरीक्षक विधिक नापतौल विभाग, शशिकांत प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र महासमुंद, एस0 के0 चौधरी उप अभियंता क्षेत्रीय पर्यावरण विभाग रायपुर, सिन्हा आरटीओ इंस्पेक्टर महासमुंद, इन्द्र प्रकाश टेक्निकल सपोर्ट इंजीनियर खनिज विभाग महासमुन्द उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा बलौदाबाजार द्वारा जांच में सुरक्षा उपकरण के बगैर कर्मचारी कार्यरत मिले। इस पर प्रबंधन को नोटिस जारी किया जा रहा है। श्रम विभाग द्वारा जांच में ओवर टाईम कार्य लिया जाना पाया गया। ठेकेदारों को नोटिस जारी किया जा रहा है। अन्तर्राज्यीय प्रवासी कर्मकार अधिनियम अंतर्गत अनुज्ञप्ति लिया जाना नहीं पाया गया। इस पर भी ठेकेदारों को नोटिस जारी किया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार खनिज विभाग द्वारा जांच में डम्प कोयले का रायल्टी स्लिप मौके पर प्रस्तुत किया गया पर डम्प रेत का रायल्टी पर्ची उपलब्ध नहीं कराया गया।

प्रबंधन को 03 दिवस के भीतर रायल्टी पर्ची प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिया गया। परिवहन विभाग द्वारा जांच की गयी। पर्यावरण विभाग द्वारा जांच में पाई गई कमियों के संबंध में प्रबंधन को पृथक से नोटिस जारी किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा औद्योगिक इकाइयों की नियमित मॉनिटरिंग कर श्रमिकों की सुरक्षा, कानूनी अनुपालन तथा नियामक दिशा-निर्देशों के पालन को सुनिश्चित किया जा रहा है। संस्थानों को नियमानुसार सुधारात्मक कदम उठाने हेतु नोटिस जारी कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

अवैध शराब बिक्री के खिलाफग्राम बटईपाली की महिलाएं पहुंची कलेक्टोरेट

महासमुन्द (समय दर्शन)। जिले के पिथौरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बटईपाली की जागरूक महिलाओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपने गांव में हो रहे अवैध शराब बिक्री के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। महिलाओं ने कलेक्टर से मिलकर कहा कि गांव में धड़ल्ले से अवैध शराब बेची जा रही है, जिससे युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है और गांव का सामाजिक वातावरण लगातार बिगड़ता जा रहा है। गांव की महिलाएं और बुजुर्ग इस स्थिति से बेहद परेशान हैं, लेकिन डर और दबाव के कारण खुलकर कोई विरोध नहीं कर पा रहे हैं। बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता जताते हुए महिलाओं ने कहा कि अगर अवैध शराब की बिक्री बंद नहीं हुई, तो युवा पीढ़ी अंधकारमय हो जाएगा । कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए और भरोसा दिलाया कि जल्द ही गांव में अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि गांवों में स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण बना रहे, और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महिला ने कलेक्टर से मिले आश्वासन पर संतोष जताया और प्रशासन का धन्यवाद किया।

धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान शिविरों में हितग्राहियों को मिल रहा योजनाओं का समग्र लाभ

महासमुंद (समय दर्शन)। राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में महासमुंद जिले में धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं लाभ शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से राजस्व, आदिवासी विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, खाद्य एवं सामाजिक सुरक्षा, मनरेगा, पंचायत विभाग सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर प्रदान किया जा रहा है। शिविरों में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पात्र हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार लिंकिंग, बैंक खाता खुलवाने, कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु पंजीयन, स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी और आवेदन की सुविधा दी जा रही है।

इसी क्रम में महासमुंद विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम सलिहाभाठा, बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम टोंगोपानी कला, पिथौरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम भुरकोनी में शिविर का आयोजन किया गया। सलिहाभाठा शिविर में कुल 106 हितग्राहियों का विभिन्न

योजनाओं के तहत पंजीयन किया गया। जिसमें आधार कार्ड के लिए 21, राशन कार्ड 29, आयुष्मान कार्ड 16, जाति प्रमाण पत्र व निवास प्रमाण पत्र 5-5, जॉब कार्ड के लिए 23 हितग्राहियों ने पंजीयन कराया। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 7 लोगों का सिकल सेल जांच किया गया। इसी तरह टोंगोपानी कला शिविर में कुल 181 हितग्राहियों जिसमें 22 हितग्राही आधार कार्ड के लिए, 11 राशन कार्ड, 06 आयुष्मान कार्ड, 18 जाति प्रमाण, 17 निवास प्रमाण पत्र, 21 श्रमिकों ने जॉब कार्ड, 5 ने श्रमिक कार्ड हेतु, 6 किसानों ने केसीसी के लिए एवं 14 ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत पंजीयन कराया तथा 6 हितग्राहियों ने जनधन खाता खुलवाया। वहीं महिला बाल विकास विभाग द्वारा 9 महिलाओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 8 सिकल सेल एवं 43 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया। वहीं भुरकोनी शिविर में 83 हितग्राहियों ने विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने पंजीयन कराया। जिसमें आधार कार्ड के लिए 10, राशन कार्ड 09, जाति प्रमाण पत्र 24, निवास प्रमाण पत्र 14, केसीसी 02, पीएम किसान सम्मान निधि अंतर्गत 01, जॉब कार्ड के लिए 04 हितग्राहियों ने आवेदन किया। साथ ही 2 हितग्राहियों ने जनधन खाता खुलवाया, एक गर्भवती महिला को मातृत्व वंदन योजना में पंजीयन किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 8 लोगों का सिकल सेल जांच किया गया।

शिविरों में स्थानीय जनजातीय समुदाय के हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर कृषक रामधीन ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अपना पंजीयन कराया और योजना का लाभ मिलते ही खुशी जाहिर की। रामधीन ने कहा शासन द्वारा जनजातीय समुदाय के लिए चलाई जा रही यह एक सराहनीय पहल है। इससे हम जैसे वंचित किसान सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। पहले शासकीय दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, अब गांव में ही सारी सुविधा मिल रही है।

शिविर में उपस्थित अन्य हितग्राही निर्मल, चांदनी, कविता, चैत कुमारी, अनुसुईया, कोदूराम आदि ने भी योजना की सराहना की और कहा कि इस अभियान से गांव-गांव में शासन की योजनाएं पहुंच रही हैं, जिससे आमजन को बहुत राहत मिल रही है। उन्होंने बताया कि अब न तो बार-बार शहर के सरकारी दफ्तरों में जाने की जरूरत पड़ती है, न ही कोई अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। घर के पास ही सुविधा मिलने से समय और संसाधन दोनों की बचत हो रही है। जनजातीय समुदाय में इस पहल को लेकर अत्यंत उत्साह है। इसके लिए ग्रामीणों ने शासन, जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

यात्री बसों द्वारा अधिक किराया वसूली की परिवहन विभाग एवम थाना बसना में शिकायत

बसना (समय दर्शन)। बसना नगर में यात्री बसों के द्वारा निर्धारित दर से अधिक किराया लिए जाने एवं ज्यादा किराया लेने की विरोध करने पर बस ड्राइवर कंडक्टर द्वारा दुर्व्यवहार। बस से उतार देने की धमकी की लगातर शिकायत को ले कर बसना नगर पंचायत के उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, पार्षद मनोज गहेरवाल, पार्षद मुज्जमिल कादरी, विधायक प्रतिनिधि निर्मलदास ने परिवहन अधिकारी एवं थाना प्रभारी को शिकायत पत्र दिया है। प्रतिनिधियों ने बताया कि लगातार निर्धारित शुल्क से ज्यादा किराए की शिकायत प्राप्त हो रही थी। रात्रि में चलने वाले यात्री बस यात्रियों को शहर के बायपास में छोड़ दिया जाता है, जिससे बुजुर्गों, बच्चों एवं महिलाओं को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। बाईपास से बसना नगर की दूरी लगभग 2 किलोमीटर होने के वजह से वहाँ से पैदल आ रहे यात्रियों के सांथ लूटमारी, चोरी, अन्य अपराध होने की संभावना बनी हुई है। नगरवासीयो के समस्याओ को देखते हुए नगर पंचायत के प्रतिनिधियों ने आज परिवहन अधिकारी एवम थाना प्रभारी को शिकायत पत्र दिया गया है ।

युक्तियुक्त करण के विरोध में कांग्रेस ने निकाली रैली और डीईओ आफिस के सामने किया उग्र प्रदर्शन

कवर्धा (समय दर्शन)। कांग्रेस ने युक्तियुक्तकरण के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय से नारेबाजी करते हुए रैली निकाली और सिग्नल चौक बस स्टैंड, बजरंग चौक, आजाद चौक महावीर स्वामी चौक ऋषभदेव चौक एकता चौक होती हुई जिला शिक्षा कार्यालय पहुंची। यहां कुछ दूरी पर लगाए गए बेरिकेट्स को लांघकर कांग्रेस कार्यकर्ता तेजी से आगे बढ़ गए और कार्यालय के मुख्यद्वार पर भी चढ़ने लगे। तब वहां मौजूद पुलिस ने उन्हें रोका तब कार्यालय के सामने ही नारेबाजी के साथ प्रदर्शन करने लगे।

कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान सहायक संचालक यूआर चंद्राकर सहायक संचालक को ज्ञापन सौंपकर लौट गए। सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेस ने युक्तियुक्त करण को रोजगार विरोधी, शिक्षा विरोधी कदम बताया है। इससे प्रदेश में 45000 से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो जायेंगे। वहीं 10 हजार 463 स्कूल सीधे तौर पर बंद कर दिया गया है। नए सेटअप के नाम पर बंद स्कूलो में शिक्षकों के न्यूनतम पदों की संख्या में कटौती करके शिक्षक के हजारों पद खत्म कर दिया गया है। रमन सरकार के दौरान भी प्रदेश में 3300 से अधिक स्कूलों को बंद किया गया था साथ ही 12000 शिक्षकों का पद भी खत्म किया था। वर्तमान में छत्तीसगढ में प्राइमरी स्कूलों में 21 छात्रों के बीच एक शिक्षक है। इस अनुपात को बढाकर 30 छात्र प्रति शिक्षक और इसी तरह मीडिल स्कूलों में 26 छात्र प्रति शिक्षक के रेसियों को बढाकर 35 छात्र प्रति शिक्षक किया जा रहा है। जिससे शिक्षको के एक तिहाई पद खत्म हो जाएंगे। नए शिक्षकों की भर्तियां न करनी पडे इसलिए युक्तियुक्तकरण साय सरकार कर रही

है। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षडयंत्र रचा है। साय सरकार के इस फैसले का सबसे बडा नुकसान बस्तर और सरगुजा के आदिवासी अंचलो में पढ़ने वाले बच्चों पर पड़ेगा।

शिक्षको की नई भर्तीया न करनी पडे इसलिए साय सरकार शिक्षको युक्तियुक्तकरण कर रही है। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षडयंत्र रचा है। प्राथमिक शालाओ में पहली व दूसरी में तीन तीन विषय एवं तीसरी, चौथी पांचवी में चार-चार विषय के अनुसार कुल 18 विषय होते हैं, जिन्हें वर्तमान समय में तीन शिक्षकों को 40 मिनट का 6-6 कक्षाएं लेनी होती है। अब युक्तियुक्तकरण के नए नियम के बाद दो ही शिक्षकों द्वारा 18 कक्षाओं को पढाना कैसे संभव हो सकता है? मिडिल स्कूल में तीन क्लास और 6 सब्जेक्ट। इस हिसाब से कुल 18 क्लास और 60 बच्चों की कुल संख्या में एचएम और उसके साथ एकमात्र शिक्षक कैसे 18 क्लास ले पाएंगे। इसके साथ ही मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था, डाक का जवाब और अन्य गैर शैक्षकीय कार्यों की जिम्मेदारी भी इन्हीं पर रहेगी। कुल मिलाकर राज्य की शैक्षणिक व्यवस्था को चौपट करने में साय सरकार तुली हुई हैं। इसका खामियाजा वास्तविक गरीब परिवार के बच्चों और उनके भविष्य को अंधेरे की गर्त में ढकेल देगा।

स्कूलों को जबरन बंद किए जाने से न केवल शिक्षक बल्कि उन 10463 स्कूलों से संलग्न हजारों रसोइया, स्लीपर और मध्यान भोजन बनाने वाली महिला स्वसहायता समूह की बहनों के समक्ष जीवन यापन का संकट उत्पन्न हो गया है। नए सेटअप के तहत सभी स्तर प्राइमरी, मिडिल, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलो में शिक्षकों न्यूनतम पदों में कटौती के चलते युवाओं के लिए नियमित शिक्षक पद पर नई भर्ती के अवसर भी कम हो जाएंगे, शिक्षा के स्तर पर बुरा असर पड़ना निश्चित है। अधिनायकवादी भाजपा सरकार ने इतना बडा अव्यवहारिक निर्णय लेने से पहले न प्रभावित वर्ग से चर्चा की, न ही प्रदेश के भविष्य के बारे में सोचा। इतना बडा निर्णय थोपने से पहले न शिक्षक संगठनो की राय ली गई, न पालक संघ से पूछा गया, न ही शिक्षाविद और छात्र संगठनो से कोई चर्चा की गई। सरकार के इस शिक्षा विरोधी फैसलो के खिलाफपुरे प्रदेश में आक्रोश है। सरकारी आंकडो के मुताबिक प्रदेश में 58000 से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त हैं। हर महीने सैकडो शिक्षक रिटायर हो रहे है। कई वर्षों से शिक्षकों का प्रमोशन रुका हुआ है। स्थान्तरण को लेकर कोई ठोस पॉलिसी बना नहीं पाए। समयमान वेतनमान का विवाद अब तक लंबित है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26